

बडी करे ति अमरु प्रमदी नेरव बुधा थन न साठ सुना लज्जि ४ ग उ ४ क नम ४ कोना मासि स सु ल्याय निरु कु की
 ४ ग ४ मदी ये ४ ग नीने ४ मोची के र्ग ति ४ रु ला करे बो दे वी र्ग य स स ४ सु ल्या ४ की द नी ले ४ का य ने सु निरु य ति ना ४ ध्या
 या सी ना ल्य ४ २ ४ पू र्व ४ का का मि नि ति र्ग वा ध न ना नु रि त पु मा डी ना थ पु रो पु सो द ले नू न ये व डा दी ने का य वा
 वि ति का ष ४ क न म २ नि वा व रु नां जा मि य नि य २ उ न म व दे ले दा न व ना रु सो दा नां सु ना नी ल २ व रु ला डा ति य नि य २
 ४ य द्वा क न न क न मो डा मि य नि य २ २ नि सु उ डा ति य नि य २ ग द ल २ द जा ना व वि उ न म रु ने य ४ वि रो ति नि षा क
 का स ना ठ सु ल २ नि का ज थ नि ले य रु तु नि ले या दा न ना ॥ ॥ क सु मा रु ले वि स्र साम थ मा दा ॥ न वे ति ॥ क सु मा य २ धी यि स न
 ग व पु सा दा द स न क म के सु हा र्य या य द न स नि व स्या वि २ धी य २ यु मि धी न ना व र न र्ग क थ ले नि षा मि र्ग ला व ना यो लि द की द न
 स्य वि ना का ४ ड न र्व या ले य स त स्य जू न न म दा मु ग्ग लि त्व सी गी स्या क मा स न थ क सु सु ख ना स्या मु ग्ग का जू न पु वा न्ध वि
 नि ना ध नू र्वा ना मा म क न क यो ल थ ४ पु ना व ना न म न ४ ग कि नू का न व पु सा दा दि ले न मो द्द ले य द म ४ वि ना का ४ ड न र्व ध

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

मन्त्रासां न क्रांतित्वेन धर्मसहायमेव वा नैवार्थं सवकायस्वामिनादायतः ॥ १ ॥
 ॐ दनु न गच्छति जरा ॥ अर्थः यथा त्वेह दुर्नायकाः सितं अकर्मकृत्स्वित्थं ॥ २ ॥
 त्वमूर्कं नास्मि स कालि कर्कशं वने जगदित्यमनः ॥ ३ ॥
 ॐ नमः ॥ ४ ॥ ॐ नमः ॥ ५ ॥ ॐ नमः ॥ ६ ॥ ॐ नमः ॥ ७ ॥ ॐ नमः ॥ ८ ॥ ॐ नमः ॥ ९ ॥ ॐ नमः ॥ १० ॥
 वरविष्णुमिह गदेव दत्ता कनक उच्यते विष्णु देव गतिगणेश नको हव गतिवान् ॥ ११ ॥
 हयग्रीवाय नमः ॥ १२ ॥ ॐ नमः ॥ १३ ॥ ॐ नमः ॥ १४ ॥ ॐ नमः ॥ १५ ॥ ॐ नमः ॥ १६ ॥ ॐ नमः ॥ १७ ॥ ॐ नमः ॥ १८ ॥ ॐ नमः ॥ १९ ॥ ॐ नमः ॥ २० ॥
 ॐ नमः ॥ २१ ॥ ॐ नमः ॥ २२ ॥ ॐ नमः ॥ २३ ॥ ॐ नमः ॥ २४ ॥ ॐ नमः ॥ २५ ॥ ॐ नमः ॥ २६ ॥ ॐ नमः ॥ २७ ॥ ॐ नमः ॥ २८ ॥ ॐ नमः ॥ २९ ॥ ॐ नमः ॥ ३० ॥
 ॐ नमः ॥ ३१ ॥ ॐ नमः ॥ ३२ ॥ ॐ नमः ॥ ३३ ॥ ॐ नमः ॥ ३४ ॥ ॐ नमः ॥ ३५ ॥ ॐ नमः ॥ ३६ ॥ ॐ नमः ॥ ३७ ॥ ॐ नमः ॥ ३८ ॥ ॐ नमः ॥ ३९ ॥ ॐ नमः ॥ ४० ॥
 ॐ नमः ॥ ४१ ॥ ॐ नमः ॥ ४२ ॥ ॐ नमः ॥ ४३ ॥ ॐ नमः ॥ ४४ ॥ ॐ नमः ॥ ४५ ॥ ॐ नमः ॥ ४६ ॥ ॐ नमः ॥ ४७ ॥ ॐ नमः ॥ ४८ ॥ ॐ नमः ॥ ४९ ॥ ॐ नमः ॥ ५० ॥

ॐ नमः ॥ ५१ ॥ ॐ नमः ॥ ५२ ॥ ॐ नमः ॥ ५३ ॥ ॐ नमः ॥ ५४ ॥ ॐ नमः ॥ ५५ ॥ ॐ नमः ॥ ५६ ॥ ॐ नमः ॥ ५७ ॥ ॐ नमः ॥ ५८ ॥ ॐ नमः ॥ ५९ ॥ ॐ नमः ॥ ६० ॥
 ॐ नमः ॥ ६१ ॥ ॐ नमः ॥ ६२ ॥ ॐ नमः ॥ ६३ ॥ ॐ नमः ॥ ६४ ॥ ॐ नमः ॥ ६५ ॥ ॐ नमः ॥ ६६ ॥ ॐ नमः ॥ ६७ ॥ ॐ नमः ॥ ६८ ॥ ॐ नमः ॥ ६९ ॥ ॐ नमः ॥ ७० ॥
 ॐ नमः ॥ ७१ ॥ ॐ नमः ॥ ७२ ॥ ॐ नमः ॥ ७३ ॥ ॐ नमः ॥ ७४ ॥ ॐ नमः ॥ ७५ ॥ ॐ नमः ॥ ७६ ॥ ॐ नमः ॥ ७७ ॥ ॐ नमः ॥ ७८ ॥ ॐ नमः ॥ ७९ ॥ ॐ नमः ॥ ८० ॥
 ॐ नमः ॥ ८१ ॥ ॐ नमः ॥ ८२ ॥ ॐ नमः ॥ ८३ ॥ ॐ नमः ॥ ८४ ॥ ॐ नमः ॥ ८५ ॥ ॐ नमः ॥ ८६ ॥ ॐ नमः ॥ ८७ ॥ ॐ नमः ॥ ८८ ॥ ॐ नमः ॥ ८९ ॥ ॐ नमः ॥ ९० ॥
 ॐ नमः ॥ ९१ ॥ ॐ नमः ॥ ९२ ॥ ॐ नमः ॥ ९३ ॥ ॐ नमः ॥ ९४ ॥ ॐ नमः ॥ ९५ ॥ ॐ नमः ॥ ९६ ॥ ॐ नमः ॥ ९७ ॥ ॐ नमः ॥ ९८ ॥ ॐ नमः ॥ ९९ ॥ ॐ नमः ॥ १०० ॥
 ॐ नमः ॥ १०१ ॥ ॐ नमः ॥ १०२ ॥ ॐ नमः ॥ १०३ ॥ ॐ नमः ॥ १०४ ॥ ॐ नमः ॥ १०५ ॥ ॐ नमः ॥ १०६ ॥ ॐ नमः ॥ १०७ ॥ ॐ नमः ॥ १०८ ॥ ॐ नमः ॥ १०९ ॥ ॐ नमः ॥ ११० ॥
 ॐ नमः ॥ १११ ॥ ॐ नमः ॥ ११२ ॥ ॐ नमः ॥ ११३ ॥ ॐ नमः ॥ ११४ ॥ ॐ नमः ॥ ११५ ॥ ॐ नमः ॥ ११६ ॥ ॐ नमः ॥ ११७ ॥ ॐ नमः ॥ ११८ ॥ ॐ नमः ॥ ११९ ॥ ॐ नमः ॥ १२० ॥
 ॐ नमः ॥ १२१ ॥ ॐ नमः ॥ १२२ ॥ ॐ नमः ॥ १२३ ॥ ॐ नमः ॥ १२४ ॥ ॐ नमः ॥ १२५ ॥ ॐ नमः ॥ १२६ ॥ ॐ नमः ॥ १२७ ॥ ॐ नमः ॥ १२८ ॥ ॐ नमः ॥ १२९ ॥ ॐ नमः ॥ १३० ॥
 ॐ नमः ॥ १३१ ॥ ॐ नमः ॥ १३२ ॥ ॐ नमः ॥ १३३ ॥ ॐ नमः ॥ १३४ ॥ ॐ नमः ॥ १३५ ॥ ॐ नमः ॥ १३६ ॥ ॐ नमः ॥ १३७ ॥ ॐ नमः ॥ १३८ ॥ ॐ नमः ॥ १३९ ॥ ॐ नमः ॥ १४० ॥
 ॐ नमः ॥ १४१ ॥ ॐ नमः ॥ १४२ ॥ ॐ नमः ॥ १४३ ॥ ॐ नमः ॥ १४४ ॥ ॐ नमः ॥ १४५ ॥ ॐ नमः ॥ १४६ ॥ ॐ नमः ॥ १४७ ॥ ॐ नमः ॥ १४८ ॥ ॐ नमः ॥ १४९ ॥ ॐ नमः ॥ १५० ॥

[illegible][illegible]

११

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

अनावसान किंयूवः किन्नरः प्रियासुखं वधुं वदनेयून् सुखं मित्रा किंरुं यन्निष्ठमउलकलेः किंरुं मनाकसमूह
मितासमूहसिनासमूहसिनीतायुलसखायगावनीयुततल्युव्यासवासर्गनयूतितात्पायुलतयितालीनयाली
अतिरुं नीलंयमनमश्चवसानवसुननकं प्यकनमीनिकमिनिमभ्वगजुनीनीनीताकनमिनिमभ्वनवीसकादि
लात्समासः शुभमसुखतामनन्तुनीनलात्कुसितः पूनवः किंयूवः किंयूवः किंयूवः किंयूवः किंयूवः किंयूवः किंयूवः
कुंसीमयनस्येयदीकरुनिकर्मवानीदानं किंरुं ॥ ॥ अथयननाः सनुननाविवेकजुयिलेताववधका
त्यसुत्सकाणाद्विनमायागाराहोववुजोलाहिवेधनावासिद्धनायायूः प्राकवकः यद्वाविनायकिनानसा
शुद्धीदगीत्यः यथाकाः संप्रलुप्यसुवकावसुनायासीतात्यः वलत्युवात्तुवाकुसुनमनादनात्यः किंयूवः
कदर्यः अथयिपूनासादगीबालताजागिमुलात्तवावदिताकयालिङ्गनविजयवोयुवकीनिधतिः ॥ ॥ अथ
निः ॥ अथयिपूनासादगीबालताजागिमुलात्तवावदिताकयालिङ्गनविजयवोयुवकीनिधतिः ॥ ॥ अथ
तदवतुलायस्यतादः अथयननिर्वापानकिनेकोलविजयवात्तुवयोः रुतः किंविश्वः अनेउनेयुसंख्याननि

[illegible]

नाउमनयगननञ्जालयवनमथर्वहवनिनिदग१४भसनेयस०त्वमन४वद्रुवाहिसुमासात्सर्वगुवाञ्जलिङ्गना॥ ॥
 समदनारुगानीयनीयलुहनस्यध्वानास्यदध्वानस्यनविधेगविगतिस्मनस्यनदिनादकिनेवयदीयसंभनागुय
 निरुत्यत्वानदीयथानयमिगथयविरुत्यथ४दृष्टंयुदीयत्वयनयकागकत्वानकीदृणदक्षियुदीययुवानगमनयून४
 गुकमिवयथाकन्धित्यधिक४गुर्कलकागन्तुमिगथयथ४यदादुष्टमिगुर्कयुनिवर्धयुल्लानकमगिय४ज्विगेके
 समानाञ्जलनमेयातिवर्तुनकीदृणध्वानास्यदध्वानकयययकयसंसकासंवद्वानमनावकहदस्यभरवायगनन
 जूगनयदक्षियुदीययनीदान॥ ॥स०नि॥सकासंभगुसर्वददनीयुथनिस्मकीदृणदवदानुदुसंभयानिजानके
 कस्यवदिकायीसकतलुताभयेतिकायीबाभदूतस्ययायुस्यवमवतनत्युकायीआसीनमयविरुसंयमिनंध्व
 नध्वनलसमाधियुर्कवकीदृण४स४आसने४सुनिदिग४गनीनयागनाभयस्यसहसीयमिग०ववत्यानीनाभय
 ४भदूतदीयिनोआद्य०त्वमन४पानानायगनननाग०निमदिनीकन४ज्मर्कयद्रुविशग०निहानावलीगिनग

[illegible][illegible]

[illegible]

कना

यून४२

जुगलकृति॥ कीदगी वसकयुध मवाहन लमलकन लंक्षनकी कीदगी जगलकयुधननिकृतिगठसदसी कगलिनक गवाय
 प्रवागलयगग लूननना तिलोहितमूर्क निन्दितसद लवायि निकृतिउ दाहक न निगम गठगठ आकलसदगी क
 नाहमाद्युगिगठ वलुखकानिथनिगादगी कलिकानयुधयगगलक कलायकन मूकारन ललकन कन सिन्दुवा
 नयुधयगगल ॥ ॥ जू वति॥ कीदगी लना किञ्चिन्ना भवति नवनमोहनन लक नार्भनननादि लय
 लाहिर्न जू व जू वादन जू दादावन दालुगनन लोशुवननना विनिर्धन तिष्ठयद्वा जू कानयुध पादन लक वेला
 हिर्न जू व लवसकृति लीसकृति लगीता उक्त मतिमावने पल विनीकिस तयवर्तन वकीदगी लता सी जगनस
 म्यला ननयुधकवकन कुसमगुनावनमा हकवकयल वीरनन कवर्क या योज कुनायमय लतायि उक्त
 मवात्राय ना तयथारही हिन लयी गललन वड लमति ॥ ॥ सुलामिगि॥ कीदगी कगलनयुध कशी वकुल युधमस
 लकिटियक लल ललित तावार्न वानमव नायुधकी उक्त लयकी कीदगी लना वलि लान विरक्ति यनन काम
 नन्याही कगलनिष्ठ कशी कगल धनुषा चितोया मोदी मिदगी नी स मय गानि ॥ कय लया कगल कानुने लव लान विद

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

॥ त्रिक मानसकवद्याख्या सूत्राणां टीकायाम् ॥ २ ॥

यत्पुनरित्यर्थं वाक्यं पुनर्नयार्थं मानकं... एकाग्रमासः १२० मध्यमका... निविशः... हलोत्तवाद्भवति नद
कृत्यालोभनीयस्मिन्नायामासिनीकृद्वत्कृतं नतमयययूर्यं मासिनीहानिनाकेनिति ॥ ॥ अथ
नि। अथाननकनकामवधूविधवाविवाधितारुतिगाकेदनामाहयनायतममाहयनामनीप्रितसाअनायलामुक्ता
यनाहवतीयनवभामतीसाक्षीवाक्यमेकपत्रेयथविधिनाकीदृजनजसुकावेदनायस्यतादृजनवविधवात्वी
लुगियादमिष्यताददतामथानववेधश्चद्वर्षानादुतिवाधितलथयेनायतमनीरुस्यालुत्यनप्रययानयी
निविश्यामनीसाक्षीयुगियुनेत्यमनःसायलुगयास्यादममिष्यतादुत्ययात्रिगिदुम्यात्युगियादनैदं ३३
नयुगियलीयवाधनं निविश्याविनतीधवश्यमिष्यस्याः साविधवातस्यारावाहैधव्यदृष्टादित्यागव्य
पुनर्दनादुहवत्युगिभग्नः ॥ ॥ अथ नि। सानतिनेउरकृषीज्वक्षनेयनीययासादलनेका
नेसावक्षनकृतीकीदृज्यसंयानहयकनागदकेनदवमोभउमीतिनसुद्धनिकेनयुकाणि
नलथठतयास्त्रुयाः प्रियं कामसुलं गतिमग्नमलकसिमितं दमनैयस्यतादृजीमानविददस्य

गवती। न्यात्र विप्रिया यक्या समन्वयवही किं ह न या कथा ॥ जदगनादवा ह फया न स गुह्या ॥
 सहा विवाज गह्य सा प्रिय मूत्रं वपिन विव दज्जितु फदगनि त्वादित्य थिय द्वाज्जनाद न ही न कन
 जद न व त्वा एनं निमै नंद गनै यस्मा द न विप्रियं न विव द त्थ थियं याम् ए क त्या न मूत्रं न व पुथ न
 गनि विव ॥ ॥ ज्योतिः ॥ न्यात्र त्वा पु नो ए ह मोयू न वा कारं निव ना वा नि त्वा स्म क व र्त्त द द ए न द र्त्त
 द र्त्त यून वा कारं ए स्म क त्थ थियं किं ह न्या ज्योति स स्म द र्त्त वा धडी विन ना थ यो न ना थ डी व सी त्थ
 रि क्षया ति न्या व क्षि त्थ ॥ ॥ ज्योतिः ॥ ज्ज न न न सान नि ॥ पुन नु व विल लाप विला य व का
 न पूर्व दि मूक्ति ना रु मो य ति ना उ हि ना व विल ला थ थ थ की द गी वि क ला वि क ला व र्त्त म ति
 द्ध न न नु वि र्त्त ० न न धू म लो म लि मी क नो य त्या स्मा द गी वि की लु ग्ग न क ना वि स्म ना मूत्रं जा
 ॥ क न्मा ॥ य त्या ॥ सा क ली म क शि मा र्त्त मी द ॥ र व य त्या स्मा द गी मि व क र्त्त ती तु त्या न्थ स म द ॥ र व

[illegible]

कर्मविनिविद्यविदीयं नितिकर्मकलनिलयक ॥ ॥ कृत्वेति ॥ नृसंवाधनयुस्रवात्तदायण
यात्तं विनिकीयत्विकात्तं नतिरुमयनी तं सौ दृश्यन तादृगं सनक विद्वत्तासिगगोसिक
नैखलितं सतु नृयवर्धनयस्यास्तदृगीनतिनी यद्विनी लक्काजलसंघाताडलसमूहाविड
ना हवति सतु खतु ननऊलदान त्वं निना शुभं याकं नतिन्यविनदधीनडी विना हवति नतिनी
यद्विनी यद्वं यामसिन्धु सनावनं नितिविद्यं नतिनी सिन्धु वासु रुदः कर्म सौ रुद सुदुद रुदो
मिगामिगया निति नियात समुदाय वेतः सु रुदु वे स्युयो गः ननाथ विद्वद्दृल नाना थकेस्य
नित्यनात्तं सूर्यक विधेन नित्यत्वादा रुद ग सिस्रु लू पूर्वयदस्य नृल नयद स्या नथ केस्य नद
द्विः नितु नृयविवक्ति नं लार्क ॥ ॥ कृत्वेति ॥ मम विप्रियमप्रियं त्वं नक न वानसि नितिविद्यं नृसंवाध

मन्त्रादिपुस्तक

ब्रह्मसूत्रम् ॥ निवृत्तकामावतन्मोक्षोक्तं पुनरविनाशनं ॥ निर्विनाशिकमस्तु ॥

युक्त्याऽनन्तत्वात् न कतमिह च ॥ तद्वचमयानि कृतमपि यून कर्तुं न किमिति कावतनमवतनयदग
नदीयनदागु मेहनि ॥ अहं हमाह किं हं नयैव निदवने कर्तुं ह्येकसदगनेनयनेय दया एव नियन ॥ किं
मद्वितर्कैः प्रया ॥ ॥ स्मृताणि ॥ उत विन कस्यैव महं तर्क्यामिह स्मृता ॥ अतः सुखं तिन वन्यस्तीनामि
यकिं च स्तीनामगृहीतन सनागु ॥ तेषु द्विधेनै स्वस्तिन कगनद्विगननजातिकं पुनयधेननाठिगानि
स्वस्तिन कगनद्विगनने जातिकं पुनयधेननाठिगायात्मन सिचिकय सिनहावाल् स्मृताणि
थं ॥ स म्वाधेन विन कर्तुं यः ॥ अथादूतवाचकमिति विव ॥ नां ॥ मवत्वा विवक्तिनत्वादन्यनमिगुधीन
दयगर्भकमतीतिवक्षी ॥ ॥ रुदयति ॥ मम हृदि त्वयसमीतिमप्युयत्वं मवाच ॥ उक्तवान्न सर्वक
नर्वकपठमवेमिजानामियदि न वदं च उचयानयदमने नयदने नदाकथं त्वमत ॥ कुं मनीषा
तिन हसकं न वतिहामी ए थं ॥ यादियदु दिह ॥ हतदा हृद कृत्तन न थाकनमगावो क्मिदसत्तज

२२

आकाशनालज्जार्थ्यनाम ॥ कयहासीद्याउद म्वाय ॥ ययू द्मके तव त्वमन ॥ अवाकु न ॥ मे ॥ तव उच
याना न नयिच निवि ॥ यदं ॥ मवत्वा क्वच नि क्ववाच ॥ निववउमज्जस्य निवकि ॥ रया नि ला ॥ इह
निवृत्तद ॥ ॥ नवति ॥ तव वदवी मा नमिहं पुनियत्मे गमि श्यामिकी द गस्य तव येन सा क नय ॥ पुवासाय
स्य गथा विवस्वन्नूतन ग ॥ अति हि यायत ॥ नि तावे ॥ ययउ ना साक ॥ सैसा नी दे वनवक्ति न ॥ पुगात्रिन ॥
जुहं या स्यामि नाव नाच नैवमम सोरुमिति तावध्यत ॥ गत्रीविर्लभं मुखैवि तासस्वदधीन त्वयायहं काम
॥ यना नोक्तिनदाकृत् ॥ सखमित्ये थं ॥ मागर्भयका न ॥ पदवी सति निवमन ॥ साकमु पुवन त्वदधी
मिजुभिनी ॥ यन ॥ निक म्पुववनीय त्वयस्मादधिकं यस्य ॥ यन वरनै गउ सफमी निक म्पुनिसक म्पु
सक म्पु ॥ मे ॥ तुमिति समास ॥ अथ रुतयदा त्वे ॥ अथ या रुतयदा या ॥ यति त्वदा दग ॥ य वायस्वित् रुत
वतिवि ॥ ॥ नजनीति ॥ हयियेवत्त र कामिना विसर्ति ॥ हं यिया नायिका ॥ वायय ॥ उत व न त्वी

विना कर्म स्वप्नः अपि तु कायि स मर्थः कीदृशं प्रियाः प्रनमाः न निगन वत्सनिनाः प्रीतिमिनाः न सति
मद्य मद्ये नाकुलाः प्रनाका माद्ये न न किं सुविन गति न वत्स स न दानाः पुन दहावान्न न थत्वमिहा
वः वसन्ति नाति वः मनाः प्रिय स नः वः स न निन लीलादि क नित्य त्वय व सति विमिकि निरुड कि नि नि स्यात्
त्वद नः किं न्यानादि नि यः मीय क व न न स गित्व दा द नः यः प्रियाः प्रीति ड य व नि न ग स थ नि
मेयि ग ल थ लो दु गि व द्वा ल्यादि ना क र्म स र्गः ॥ न य न गिः प्रीति लाल त्व यि ज् वि द्य मान स गियु म
दानाः क न द र्शा ली वान् ली म दः वान् ली म दि न या म क ना वि का ना बा स कि ड त्व ना ध र्म त्व थः कीदृ ५३
लाल म दः सा हि नानि न गति व त्तु म य नि गिया व त्व द य दियु गिय द हा व लानि स व ल य न द्वा कानि कु र्व न यी
ल थ लाल मा ल या द ग द्वा थ मि ल थः प्रीति नी री सून या वान् ली गि वि वः म क ना ग द्या म दः प्रीति व वि का ना यी व न
प्रीति ली गी व द गि म दः द्वा ली का वान् ॥ ॥ प्रीति ली गि ॥ प्रीति ली गि ॥ प्रीति ली गि ॥ प्रीति ली गि ॥

[illegible]

ॐ किं ४ वयावर्णवर्णधनूवा रुतकह्ये शाकन मयनियदिग्रायतां॥ ॥यतीति॥मना

[illegible]

त्वादितायाः स्याद्विद्वत्समाप्तकर्मकलेश्चमनसागिन्नसिनासिममोयणमः सनयधुनिसर्कयात्रयपुटा
 तैसिन्मसादोनेत्येकमिदमेवविद्वत्समाप्तकर्मकलेश्चमनसागिन्नसिनासिममोयणमः सनयधुनिसर्कयात्रयपुटा
 न्यानिद्वगानिसंस्तथेत्यथः कथं कृतानिसिन्मसादोनेत्येकमिदमेवविद्वत्समाप्तकर्मकलेश्चमनसागिन्नसिनासिममोयणमः
 दननियतिगुणसुनगुणायत्येकमिदमेवविद्वत्समाप्तकर्मकलेश्चमनसागिन्नसिनासिममोयणमः सनयधुनिसर्कयात्रयपुटा
 दनमार्कवैजगोनागनंजगोनलज्जुहवमिदमेवविद्वत्समाप्तकर्मकलेश्चमनसागिन्नसिनासिममोयणमः सनयधुनिसर्कयात्रयपुटा
 नः किंश्चिद्विद्वत्समाप्तकर्मकलेश्चमनसागिन्नसिनासिममोयणमः सनयधुनिसर्कयात्रयपुटा
 नैवामममयादिकतासकैकलेश्चमनसागिन्नसिनासिममोयणमः सनयधुनिसर्कयात्रयपुटा
 म्मनियसाधनसमाप्तकर्मकलेश्चमनसागिन्नसिनासिममोयणमः सनयधुनिसर्कयात्रयपुटा
 यिस्रतासात्यनिकागलमूकयदधिगुणनः समित्यामितिसनः ४ गुणसिद्धः समितिसुन्दरः ४ या ०४
 कथिमिति यः गुणगुणदूतनादिलः ४ यश्चलः स्यात्तदिति सनयधुनिसर्कयात्रयपुटा

नवीनगीकाडशुकायगायतुशुकायनयायविगच्छेद्वरुष्यादाक्ररूवायां डिह्मासायांशभंलनानि
 खधनयुवीयायांरवतुमानयकीलिने॥यायांनम्यसमासाद्यंरामन॥॥जुथेति॥जुथेननननेवपिद
 विनारुनेविवाकवालेनिवददयेददिन॥जीनिगावसक॥यूनागुजासानमदभयितिसज्जागुनापीडि
 नांजालवाकामवधूमरूपपनुमनृपहातुंजाभामजूनगुरुयापित्वदिल्लयपादनमितिनिवि॥॥विवाक
 विषलिकेकामिलमन॥॥ममिति॥नवसेनंदकासानगिनलथनूनादजाकदउनाददयंकुघानगाज्या
 मासकीदगा॥मूनइकनालासीवाधसकठेनादिनरुनुमाहदियन॥खजनस्यवन्धन॥गुद॥रवंकलुविव
 नदानमूद्याठिनदानेमिवायजायनरुवनिसेवाध॥संकठेनय॥निविग्व॥॥॥नीनि॥सानगिदू॥दिय
 नासखेनेवसकमितिबहुमानेमुवायाकवनीहवसकनवमिगुस्यकिकिनेकिमवकिनेकिवा॥॥य
 दिदरसपायवगवल्लुपुपुनंजानेकले॥॥केलेनूलिप्यन्यनूकलनया॥॥किंस्यादिनिविग्व॥क

गन्तिवद्वेषाद्वसकात्रकादिभिर्मन्त्रयद्वाकिं कृत्स्निर्गन्तिर्नैजगुर्किं कृत्यं निसमाप्तः॥ ॥ ज्योतिः॥ ज्योतिः
हस्मन्त्यानीदं नैर्दहिददद्युवसो धवावसक्तस्वस्वायय्यैकहृदग्नानाम्नावसक्तायाविदं
नन्दोद्योथदं नैर्दहिददद्युवसो धवावसक्तस्वस्वायय्यैकहृदग्नानाम्नावसक्तायाविदं
मिगुयूनर्नवर्त्तित्तनस्ववथं ज्योतिर्नैर्दहिददद्युवसो धवावसक्तस्वस्वायय्यैकहृदग्नानाम्नावसक्तायाविदं
गन्तिज्मन्त्यानीदं नैर्दहिददद्युवसो धवावसक्तस्वस्वायय्यैकहृदग्नानाम्नावसक्तायाविदं
कननिकनर्त्तित्तनस्ववथं ज्योतिर्नैर्दहिददद्युवसो धवावसक्तस्वस्वायय्यैकहृदग्नानाम्नावसक्तायाविदं
भवगुल्लवर्त्तित्तनस्ववथं ज्योतिर्नैर्दहिददद्युवसो धवावसक्तस्वस्वायय्यैकहृदग्नानाम्नावसक्तायाविदं
सावनूयनान्नवर्त्तित्तनस्ववथं ज्योतिर्नैर्दहिददद्युवसो धवावसक्तस्वस्वायय्यैकहृदग्नानाम्नावसक्तायाविदं
यत्तुर्वकासन्त्यवदिनि कावद्वयं ज्योतिर्नैर्दहिददद्युवसो धवावसक्तस्वस्वायय्यैकहृदग्नानाम्नावसक्तायाविदं

मनुवन व्याघ्र व्यायानियथानि साहता दीयाननिवहिनज्जुदमस्य (ग) सावकवज्जुतासाविषाकवसनेनासस्य
द्वयनयधूयितायुद्धसिर्तायहिनेयिनिब्रतिदीययधूयिताएवेतिवस्तु केनदेभ्यसाशु (ग) सावकवहव
दभमनिविष्य॥ अविष्यकृतिनाकिमहाभूमियगयनिनिविष्येणादिनायली॥ विविधेति॥ मदनमाने
हामलिङ्गेनदेवनाश्रयेनासमयूककनेविमसिरेनुत्रिउताय (ग) सावकवहवसिहिसुताद्युक्तयानिनिविष्य
॥ अयनाधादयनत्वेननयनिकथना (ग) सावकवहवसिहिसुताद्युक्तयानिनिविष्य
नायननाययथनाथएवगिहाराभयिवततील्यथ॥ अर्धव्यसनयानिनिविष्य॥ निदिनि॥ नस्माद्वग
मनेनमिदानीमवयधूज नस्यकामस्ययुयाजनमिदंकार्यक्रियतांनदवाहननूयनूनयननूत्यादन
ययधूनिविष्य॥ विधुनाविद्वतामामनिदानाएक॥ ४॥ निन॥ समीपपापयजूनमन (ग) सावकवहवसिहिसुताद्युक्तयानिनिविष्य
सर्वसमनमवकनेवमहासादन (ग) सावकवहवसिहिसुताद्युक्तयानिनिविष्य॥ निदिनि॥ नस्माद्वग

[illegible]

सोम्यः ४ मखादि सायकयद्वा सोमा प्राश्नतर्ह्यवद्गुणवद्गुणानान्जावयाः ४ मथायां सहायनां साहाय्यं ००
नहन्त्यादिना कावत्सुमिसमकृत्तमायुः स्वयकोदनां तुलितानो न निर्नङ्गतिः ४ कनसंयुटनां सायाविना लुपि
थिना लोयदानमस्कोना थङ्गतिनायाविना कुविनियुथने साठज्जाकनतारवदुथेति विग्वः ४ पुनियोगा
नमस्तुतिः ४ ०० मन्त्रः ४ नोयुगवद्गुलिः ४ युमानि निवविना विना विनिः ४ सुयामिनिः ॥ ॥ गदिनिः ॥ गनूनत्य
मदधिर्न मयाधिर्न मन्दिदहिर्न यवनां रुयले सुनय स्वनायकं कविश्रुतिः ४ त्वना संजमनि वृद्धोदि
लादि लं पाथने लिटवसने दहिर्न वासे संनिदिर्न एव लनाया साकिः ४ त्वने एव रुमा ह्यल्लयने सव
विदिनमवयथ मविना कामः ४ कनमविना सुहन न सोमा हारव गिनिकामयाः ४ सदा सन्निकया
नविदिनमिगि वृद्धि पूजा च ल्ये च निवल्मानकः ४ कस्य व वल्मान ०० निवल्ली लं जानामी लथः ॥ ॥
०० नीनिः ॥ ०० निवृष्टां विधाय विदला विना वावयानकः ४ वज्रतस्याः ४ सिदीयनां न लो विषयः ४ कल

[illegible]

[illegible][illegible]

॥४॥ ॥५॥ ॥६॥ ॥७॥ ॥८॥ ॥९॥ ॥१०॥ ॥११॥ ॥१२॥ ॥१३॥ ॥१४॥ ॥१५॥ ॥१६॥ ॥१७॥ ॥१८॥ ॥१९॥ ॥२०॥
 यो निमलसुखयननि वा नय की नि वा न यि तु म् वा य ल थः मन एव मा न स य क्ता दि त्वा त्वा र्थ
 ॥१॥ मू निव ना दि नि वा न म् थ ना मी क्षि त्वा वा दान ना न द वा ह ॥ ॥ म नी वि ना मि नि ॥ ह व त् स य
 यि न प ४ क ना व कं ल दी र्य ग नी न क्क अ ल ना स र व म वे न न् अ ना ह ना म् म नी वि ना वृ द्धि स्त्री कृ ना
 द व ना न् ६ श्वा र्थ पू ज य ८ ह द वा र्थ न न न ग कि न् नु न य सी र्थ थः ६ द्वा कं ना य वा द य नि
 अ नि का म ली नि नी व य र्थ क र्त्तु म न स्य र न नी स ह न न तु पु न ४ य न नि ॥ म वि ह क म स्य म न स ॥
 क्ता म नी वा मा सं जा ना य स्या ना न का दि त्वा दि त्वा मा म नी वि ना न व ॥ ६ ना व कं य म् द स्य दान
 न न स्यी र व न् अ ल न व क म म का व क व न न व का ४ १ ४ वृ द्धि ४ थ ल व वि न ली न न्दि स्य म न ॥ ॥ नी नि ॥
 ॥ नि पू र्ण ॥ क ना न् ग स नी श्वा र्थ य नी म ना म् नी मा व स्य नि वा न यि तु न न का व र्त्त व की द न म हा द व ॥

३५

य लु ती य र्थ नि वि य नी न क्क य्वा द यि तु न का यी ल थः स क न नि न् थ य क्क व ॥ मि वि न् थ ४ द्वा मा दि नि व न म्
 थ ना मि ल या दान ना ॥ ६ य्वा क्क म न सार रु य ध न मि नि लु न न ४ क ४ य नि न ना आ यो य स्या कि क
 पु न न् नि ला कान स मा सा न ४ द्वा क उ य स ॥ ६ य ॥ ॥ नी ल यु ती य न न ४ न ल्क ना नी नि नि चु लि द
 सो य स र्थ नि न् यो स ॥ ॥ क दा वि दि नि ॥ क सिं श्चि को ले सा म नी सी नि दि त का ल स र्वी म र्थे ना त्म
 ना व न वा स वि न नी ज या र ल या व अ यु ग ल्क लो द न् य म् र्थे न या ॥ या वि दि क्क म् क ४ की द न् म न न थ
 मि क्क डा ना नी ला ना न् य स न क ४ म ना न थ रु ॥ ॥ नि न स्य स्त्री का न ह ४ कि म र्थे न य ४ स मा धि क्क न त्या
 नि य मा य की द नी द न् य र ल स्या द य उ त्थ कि न ना व मा न् य स्य न स्य र ल ला र्त्त न य ४ न्म नि य न ४ सा
 हि मा न् म ना स्या स्त्री नि म न सि नी म ल्थ ॥ ॥ नि न् स र्वा न न न् लो ता व ४ अ न् न व न य ४ क न ल्क न् व न
 थ वि वि न मि ल्थ म न ॥ ॥ अ थ नि ॥ क्क थाने न न् नी नी या र्थ नी नि र व न् य र्थे न् नि प्रा र्थ न्म म की द न्
 नि र व यु ४ क ० व न् ॥ ॥ अ दि ॥ अ र्वा थ वा म कि न् नि र व लु न ४ त य सि र्त्त दा क्क य र्थ स नि न न् अ न स न् स म ४
 उ क ४ य द्वा म य न् म् क्क अ न न वि ड न ना न म् ना वा का र्थ नि र व लु स न्ना म क्क म वा सी न् ल्क न् म् व ली

कथं न दारय्याः। नेत्री निखन मिनिता न्मोय धिर्न र्थात् अतः पुनः नेत्री निखन मिनिता समस्तं यदं कीदृशी
नेत्री सुतु नन लडन केन कृता ह्यने र्हास्ती काना यस्याः सा किं नन अनूतूयं था न्मनेथा रिनिवम
४ बुद्धिर्लिन नना यस्या सिता दः। नेत्री यम मि गुन मदा दीयन प्रिय मि नति न वा दः। ४ निखन नि
मुनि र्दे दः। नम यने प्रिय क थं न नि कायः॥ ॥ विमृशेति॥ सा नेत्री हानं ले कुः ६ थ न्मनेदा ह्यदवल्क
लववन्धः। सा हानं को विमृश कीदृशी सा ह्यारुन सा निधयः ६ थ न्मनेदा ह्यदवल्क
स्याः ४ सा निधय लद कि नि ले थः युविल्ल कं यु क र्थं न व न नं य न न यस्याः ४ सा कीदृशी के ल्क लं वा लानू लव ५
दहि न वन विव न य दानू न ना के सा न धि वय कु क पि लं यथा धन यः ४ सन यानू ल्म र्थे ना कु र्थं न विनी
हुं बुद्धि ना र्हा कि ४ र्थ विव धाय स न न ल व कु र्थ व ल्क ल म सि या मि ले म न ४ ड लो धः ॥ अ कु र्थ य म
॥ नि न्म न्म न ४ अनू ल्म क ना न क र्थ र्थ र्था वा न क र्थ सान थ वि नि वि धः ४ य नि व द्धि न लं कान ॥ ॥
यथेति॥ न स्या नेत्री अन न मूर्ख म धू न म ना र्हा ४ क ने म्म थ य सि र्ध र्था नं अ थ दि र्ध वि न म र्हा

[illegible]

अथ नखन खानि यदुष्याडय विष्ठासनीश्रुणने

रुद्रवर्ममधनना (न) द्याय न जा सी न ॥ दानां न न (थ) ल्य थ ॥ सुनर्यां न ना न ॥ कूंकू मा दि ना वि लय न न नान्
ति तात्तादि तात्क तु का च नि वलि ने ॥ नियम सु ल्या ल्य न थो ग्रह (थ) श्री ति धन नि ॥ ॥ महा ह ति ॥ या लो
नी नि ड के ग क सु मे नो धि द्य न ल्म ड य न का र व न दे कु डे य ना य दे वा दि क ॥ ल ट स्म नि ति ह न ल ट सा क व ल के म
ख व ल न्म स म (थ) सु गि ल न व व ल न म वा (न) त सु का य दाम म व क व ल न नू ने मि ति य लो का के वा क व ल न
यु या ग ॥ य दान व को ना रि न कु म ॥ वा द स ना डे धा तुं (न) लु क मि व क तुं गी ल य स्य सा द न्ध व स गि ल न्म
क म न ॥ नि म दि नी क न ॥ किं ह ने ॥ य ॥ अ ह धि ॥ न तु ग नी न या न व नी ति ता ब ॥ नि ली न क ह न के ल्म के व ल
ल्य क के म न ॥ नि म दि नी क न ॥ किं ह ने ॥ य ॥ अ ह नी ल्य हा अ ह ॥ ल्य व स ह ना हा मि हा हा व द स ल्या न व
ह ना या न थो न य नि व ल न म य न या ल्म न म य न न न न सु ल्म ॥ ॥ यून नि ति ॥ न या (न) म्म नि य
म सु या व न कि न या द्य यी व नि ॥ के व ॥ व द्य र्य व मु स म धि नै यून ल्या न क नै य ही तु मा दा तु मा दा ह्य

[illegible]

येमं नमस्वर्धिरिन्नयेन १ पुनागु ननु वसखी नां लावनं सा (नेमी कुमिमी नमितव नी यत्यनिमा ८३
 उतस्या लोचनं ॥ गिनिद्रि ननं क नवती कोरु कानेगु माने मागु निडन ग तुलाक ना तस्या अमे नो विला
 न्नुने नो गिगा निना का की द ग्गह नि ॥ ४ ॥ अन्त्ये व वीजा निथ बा क नी वा ना दय सु दंड लि दा न न मा
 लिना १ अरि न दि ना वा न ल वि ता मे क ४ च का ने ४ य वी य रु या समुच्च य क उ क नु कु रु रु ल मि त्य म न ४ अ
 मिमी न मा द के न्द्रि दि दि ल्वं ॥ २ ॥ लोचन दि ल्वं य ल्वं क य र्थ व स नै य था मा द्य सु नो द धा ना सु न्द्र ॥ ५१
 ॥ ॥ क न ति ॥ नां (नेमी) दि द क वा ड सु मि नू वा मून या ६ ल्प पा न म न्ना रि मुख नो य ना १ नां की द ग्ग क ना
 रि ध क ४ स्ना न य या नां दू ना जा न व दा अग्नि र्थ या नां व रुं ल्प वा क ना स ग ड ये नि व रुं ग द्ध नी नि वी र्ण ना ड ली
 वि ल्प म न ४ अ रु क ल्प ल्पि य र्था य वी नि नां रु न वि ल्प म न था वि नां ध रु द्वा अ वि न नां वा ल्पि रुं क थ
 मा ग ना ॥ ल्प ग्ग रु ध र्म व द्ध स व या न स मी क न ड नै नि ल्प थ न न द क न न न रु द्वा र व नि स ना

५१

स्य य लि न गि न ४ या वे द्य वा द्य धी या न र्क द वा ४ स्ना वि र्ण द्वा वि नि द्वा या वा आ रु ना र्म अ वि ल्प म न ४ ॥
 वि ना धी गि ॥ ग रु या व र्ण या व र्ण य वि र्ण व रु व य का न्ना य (थ) ति या व न मि ल्प थ ४ की द ग्ग न था व र्ण वि ना धी स
 ल्वे ४ सि रु ड ग्ग दि ति न्द्रि र्ण ल्प क पूर्व वे र्ण य ग न दू मे र्ण व र्ण न नै य र्ण र्ण ना रि म न न य स व नु य र्ण
 ला दि ना र्णि ना ४ य डि ना ६ गि थ था ग्ग रु ना ग य ग न नै न वा ड ज स्य म् नि नू न न व रुं ग्ग ला या ४ अ ल्प नै न म
 (ध) र्म र्ण ४ र्म वि ना ६ न ला नि र्ण ग न ग य द्वा व न स्ना या ल्प य नि व ग्ग ला न वा ड ड अ न व द्वा ग्ग ना दै न
 म मि ल्प क पूर्व ल्प क अ न न न य ४ ये ता व ड क ४ मा ल्प य म वि म ल्प म मि ल्प म न ४ गि वि न्द्रि र्ण रु ना
 न ॥ गि च य रुं ग्ग ला र्णि मि या मि नि या या व नी गि या व र्ण न न्द्रा दि ल्प ल्प ४ ॥ य द्वा ति ॥ य मि न्का ल
 गा व ना ग ल्प मि मा न न पूर्व न य ४ स मा धि ना या र्ण न न था नि य म न का र्णि न मे रि म र्णि र्ण ली ल र्ण य र्ण
 ना र्म रु न म य रुं स रु द्वा रुं का म ल ल्प म न य रुं पु न रुं ल्प सा स रु ल्प य र्णि रुं क रुं पु व क म् अ न रुं ल्प

वा त्यामिति नदल लयमिति लह नय धनादि नित्य न जर्म सु ॐ निमन रुम लु द न द मित्र जू धना मनी नान
 थ गुरु द ग न्येति ॥ कलमिति ॥ या लो नी क ले दु क ली ल या पि न लु क को ज या पि क म क ले न य यो ग नान
 या लो नी यो यी न म च नि र्गु न व ग म क न आ का र्क ज गे लो न न क र्क व म न्ये ति स्या व य ४ सो व लु य द्वा घ ठि र्ग
 अ न उ व य क ल्या ख रा व न म दू ल को म ली स सार्न सान यू क य न न न प ४ क ठि न स्या वि र्गु व ति ता व ४ दि न य
 य द्वा य क ल्या म दू का ठि न य क र व नि न ग य क क न य द न द र ना य द्वा य द न म दू ना यो का ना यो ग क ॥ ३६
 पूर्व लिखित मंत्र सा भव ल सि नो न्ये ति वि श्व ॥ ॥ गु या वि ति ॥ गु यो ग य व लु क र वि र्गु ज म य न ग म
 श्र द न या का सा लो नी स वि गो न मा दि ल म क र द द न य क ॥ श्रि व न मि ति की द गी गु यि गु र्ग रा व ही न ल्या ख
 त्या मि न मी व द्वा सा य स्या ४ अ न ना य रा ग को ल न म श्र म व ल गू य स्या ४ सा न थ वा ति सो न य पि न
 थ वि र्गु न य थ का न ल य र्थ ४ नो न्य ग द क्षि य स्या ४ सा न द क न य थ ४ कि क लो न य य नि हि र्गु माल य स्या

सा वि ल्ये ति नि ४ वृ द्धि ४ क र्क र न सा वि लु ला वि ति न ल ग द गी य लं दी किं वि डि ल डि ला अ न न न वि
 गे ड सा न्यु न ति र व न ॥ क र्क र वि र्गु ज मि ल्य वि न म व य द न न नि ल द मा न म श्र म या व ल म मि ल्य म न ४
 गु यि न मी सि र्गो यी गु र्ग नू य द न यि य ति डे य धा गु र्ग म वि र्गु ४ क र वा य र यान यो ति वि श्व ॥ ॥ न
 थानि ॥ ग थ गे न य का न लु दि ल्य गे ड र ति न र्क न दी य मा ल्य क म ल गि र्गो ॥ न तं दि ली व ता न य थ न वि
 रा सा वि क सि र्ग स ल्क म ली ॥ न र न न म्ख दि न क न क ना का का न म वि ॥ न र ग ति ता व ४ ॥ सो द्वा द क ल्या
 लू न रि ल्या दा दि ल्य क न क म नो द पि वि का सि न ल्या लु दी य मा न सा द थ य ४ के म ल म्ख यो य ति
 न क मा र्ग ना वा न क क व ल वि ॥ न य ४ अ ल्य म्ख ल्य दी य यो न्ने गु यान यो म न्ने म न्ने य थ स्या द
 व ॥ मि क या क र्क न य द स्या न क र्क अ ति न ड ४ स म्य क्का दि र्ग य क र न व य ति न का य म ल क्का
 न ॥ ॥ गु या वि र्गो ॥ कि ल वा ल यानि स्या ॥ न यो ४ यान न वि वि ४ यान न वि धान व काना व क्का

वनाद्वर्तनाद्याग्रिनिर्कंतिर्न साधनमूयायायस्य नादल्लानवद्वयनेव वृक्षजीवनं ननेवनजीवनम
रुदिगिरिहावः नदवाहजुयार्थितायस्मिर्न केवलमकम मृजली मेघजलमिथुधयनात्मकस्यामृगम
यस्यापुपेनश्चतुस्यनभयः किनल्लः वृक्षापिघनजलनामृगकैर्न कननखजीवकिनसाजलमृ
गपिस्त्रोदिगिभग्नः विविधः सिद्धावूयायथनिधनलिः वृक्षजीवनवृक्षिनिगिधिव्यः इयायमृग
संस्काने ननी मरुचसाधनमिति विव्यः ॥ निकाभति ॥ गोत्रीपुवाहस्यासदसकालमवद्वगमि ३६
नसूत्रात्सूत्रवार्तं वा मूकैर्यकवती कीदृगानतश्चननाकागणनाथत्सुयनेभिनाः न्यनका
र्धनत्सुहृत्तनननधनिर्नसाभनत्यथः पुनावगादिविधनद्विभूयेनाभिनानिनानैमत्य
र्थनकोसंगकाशीभैः लुनेयनयात्यथशुभावावसानेनूतनजलनेनूकिनासिकासगीरुनविषी
भोग्नादिलेवद्विषाजुरिनेकाजलमकाद्याथैवजनीनियमहाकिनेलकानशालिलयकैवद्वि

[illegible]

सांभेनी सरस्यनागी ४ थो वनि ॥ ४८ उदक वास ४८ उद वास ४ सुवयव क ह्ये यस्या साडल वास यनाय गहल
 निनाय गमय गिह किं हग नागी ४ अथ यथा स्या रु थो दि भा रु ना मु को ना धिका अ निला वा य वा या सु ग
 अथ थ हि मय धी न वा न यु का ॥ ४९ थ ४ सा की द नी य क वा क मि थ न द या ल ४ क वा व ती क थ ह न मि थ न
 य ना ग न उ व वि था ग य क दी र्घ ना रि ला द धि क वि न ह न न व व न न म न्या न म क न द न मा को ॥ ५० थ ४
 दो नि स्य र वि था ग य थ न र वा न अ दि वि रु ला ४ क वा यो व न य स ह यो द्रा वि ल म न ४ उ द वा से नि उ व वा स वा द
 न धि व र वि ल द क स्या द द न ४ ॥ ५१ थ ४ नि नि नि क दि का ना द कि न ॥ ५२ थ ४ नि नि नि रु म न व रु न न न द स न थ न
 व नी ने ला न व रु नी ॥ ५३ थ ४ सांभेनी ना गा व पा ड ला ना स ना ड स थ न य स म न्य मि व मुख ना थ
 न य का न ड ल म ध्व ४ थ मा न मू खी नि द ४ थ ग या ग म्य न की द न न मू थ न य द्र व क्का र न न र्थ व न र्थ व मा न ४ क
 य मा ना थ धि न स उ व य र्ग न न ॥ ५४ थ ४ ना व ना जा द व क य न ॥ ५५ थ ४ की द नी ना तु वा न र द्रा वि म व र्थ न ख लि ना य द
 म स्य स म न ल को या सु ना स नि ४ व न न म स्वि नी य न हा नि न स ह न न न त थ क न व नी ति ता व ४ सु ना नि न

५०
 ५१

निगन्ध स्थलादि ननु समासा न ४ ॥ ५६ थ ४ नि नि नि व रु न ॥ ५७ थ ४ नि नि नि व रु न ॥ ५८ थ ४ नि नि नि व रु न ॥
 स्य य ल रु य र्ग न द व र्ग रु नि ४ व ना या या य स्य न रु वा र हि ना मे व ग म स ४ य ना का हा ४ रु हा का ठि नू ल ४ ५९ थ ४
 यी पु न रु द यि स्य र्ग वि नी रु द म य रु म वा की रु ल क म ना रु ना ४ पु ना वि द ॥ ६० थ ४ रु हा का म य रु मि व नि व द नि
 दि न व र्ध न ॥ ६१ थ ४ अ रु अ रु य रु यि क य रु यि न थ स्या द क वा ट ल नि पु न रि दि न ल धि का न क म नि दि नी या ग
 रु रु दि ग स मा मे नि रु क वा स ना रु ॥ ६२ थ ४ नि ल द न मा र्ग न न ति य रु नि ना व य ना क लो लु थ मे व या का नि ना य रु
 मि ति य थ ना न द ॥ ६३ थ ४ वि स ॥ ६४ थ ४ नि पु न रु म न सा नी ॥ ६५ थ ४ रु हा का म य रु वि द नी ति य जि य नि रु नि य द न रु
 रु र्ग रु ४ व द रु रु नि नि क नि रु रु ॥ ६६ थ ४ नि स फ म्य थ न मि रु ना रु ग य सि न द य वा की रु मि
 ति या ड य नि वा म न म ना न सा नि ॥ ६७ थ ४ नि ना क म्म रि धि न भ व न रु र्ध नि य थ व रु न ला क न वि पु ना मि
 नि स मा र्ग ना ती सा दो स्य र्ग वि नी रु मि ति स्य र्ग क न नि स ४ का हा मा न य क थ य नि वि न्य ४ वि य व ४ व द ४ य वि

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

यथा भवति तद्वद्विनिर्वाणितुमिहासि नयस्मात्तु ये क उव धर्म इय निगृह्य स्त्री कृत्य सव्य न कीदृश्यात्वे
 यामनस्य लभ्यतावर्थका भोयस्यास्ययाजु न उवरा विनी लूकै ऊर्ध्व नागवा धका भोय न सव्यायुज न नोदि
 लो धर्म उवन मनि विगमि मि ताव ४ विव लभ धर्म का मा लो निल मन ४॥ ॥ यय क मा इ स न व द मा वि सु व न
 गा मि मा य न म र्थ हि न्न स य मि य लं द्य र्गु ना रु सि ल्य मि लि न न वा रु मि ल्य थ ४ की द र्ग मा स्मा त्म ना ल्य ये व रु न
 पूजा वि लो र्ब य स्मा ल्य हि न्न ४ सा धू नां स द्ध न स व र्ध स व र्ध ४ सा क य दी न स फ म य द व वा क्श र व स फ रि ४ य दे न वा
 य ४ ३ य न सा क दी न म र्थ मि नि र्ख य य नि यो न न स र्थ स फ य दी न स्यो दि ल्य मन ४ स म र्थ मा रा ख ल पूर्व मा
 दू नि नि न दो सा व या सु र्थ स र्थ वा वि गु लो का न म व मि ता व ४॥ ॥ अ नो गे ति ॥ न प उ व ध न य स्या स्मा द नि रु
 ज्य य लो म य दू प ४ सु र न य सि रु व र्गो लो कि क्त्य र्ध म ना य स्य ना द ग ४ अ ल्य द व ग्ध म लो य ४ ख दि ना व दू नि रु
 म न व दू रु मा ना द ग ४ ०० मि रु मि लो र्ग मि ल ४ ना दा लो य द म स्य मि व दि नि ष ध ४ ता य जू नि स दि व् मि ल्य थ

१२

४ दि जा मि ता वा द्वा रु ल ला दू प य न्न या य ल ४ ४ ल्य य स्य स ४ ०० मि लु ०० रु तु ४ य द्वा दि न रु र्थ लो र्थ स रू प
 मि मि या व ल्य पु मि या द यि य सि न गु की क नि यो सी क थ यि यो सी ल थ ४ या य ल मि मि य वा दि लो द ल न म व पु
 ध वि ष य मा ह ॥ ॥ कू ल ०० मि ॥ य थ स स्य व र्ध स ४ सु र्नी ष न स्य कू लो र्थ लो य सु मि र्क मे स दि वा क्श ने स रु वा
 न उ क्ता र उ न दि मि ता व ४ ०० ष न क र्क र्क र्क र्क दि लो ग म ४ य द्वा अ वा क्त न सु र्ना द का द य न द यै रु या य थ
 मे स्य व र्ध सा व दू ल ०० ल थ ४ अ न उ व वा क्त ल स रु वा न्नी ल स उ द्वा क्ता दि मा ल य मि मि स मि ४ न व न नी न
 उ लो क मि वा दि न अ लो ग य मे र्थ न दू र्क स र्थ य द्वा ल सा र्ण स मा रु ल क वि न्म र्थ न वा न न मि दं स रु मि ल्य
 लो ग य मा वि दू मि मि न्म र्थ मूर्ख ०० ष न लो न य न्म र्ख न द म्म म वा थ नो र्थ यि गु न व र्थ यो ल्ख न र्थ
 मे व स र्थ मूर्ख मि ल्य थ ४ अ नो स्या ल्य न व न य र्द ल र्कि स्या द यि लु न कि म यि ल गा व न्म व न य ४ रु ला नि य न
 ४ व र्ध उ क्ता नि न के न ०० मि न्म ष न ४॥ ॥ ए व नी नि ॥ ४ ४ स ल सा दू म न का द नि सा द ल रु ल द यि या द्वा

मनस्विनी नामान्वती नामीदृशी नयः कनकलतूकासुगियलिवकी कानः पुटलि वृत्तिवती गिरंता वनना
मसंतावनायांकुणमुदनीयस्यासुस्यासुभोधनैरुक्ती लमश्चनवानिर्लविवातवभयिदिननयिकुनत्ययि
नदश्चननकायननस्यानिनिमिफालेयुवलिभृदिती गिरावः पुगियलिष्ठवृत्तिवती कानः पुटलि
वृत्तिगिरावः नयः सिकोदनी वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि
रुगिनाकाना नयः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि
नकायनः किनुनकायीत्यथः विनूयाकयापि नृनिन्दुगालेकननादृणी गिरावः नयः पुटलि
वापिनाली गिरावः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि
पिगुनकायीत्यथः यथः सयः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि
ः सुविनूत्यथः दयवर्धनी गिरावः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि वृत्तिवती कानः पुटलि

दत्तस्मान्नावस्ति मिनिषधः वामीति वाक्येन तस्य सिंहावलोकनेन यायनसंवक्षितस्यैवैक्षित्यवस्थितविल
खोत्वादनिर्वायिसमाप्तसूत्रमदस्यैवद्वोल्लेखवर्तननदीसिंहातवत्त्वैककथयद्वागुणदादुत्तानिजानेष्ट
नकादीनामित्युवदिसुवेकुदीर्घत्वेकनकादिवहोवादनत्वावगमाद्द्वितीयोहावृद्धनलेद्वेनस्यसमूदायवित
कृत्वा नानादृष्टानत्वमिति सिद्धोक्तत्वं तथा यथा लोहिकाथे क्वामिहसूत्रेणालशुविरोधनेनियेसर्वदा
सूत्रेदत्तं यिविलसंतीति मालतीमालतीमार्धवति ॥ किमिति ॥ अलंकनं नान्यत्तन्मन्यनास्यत्वकायोव
नगान्त्वकिमिति त्वयावत्कलैव कृत्वेकवर्तनं वृद्धत्वं लोहानीलं यनं किमिनियदं हनुवनमशयसंमूदा
यत्वात्यदकथयपदिपुदाषं नागुवकुमं विहावनीनागिस्तानाज्यसाय्यायुक्तस्य न समर्थतवनि तथा त्वम
प्युनयुक्तसंतिहावः अन्तर्भूतैतिक्रियैर्यद्यमानैर्युदानेन वाद्वैकं वृद्धं सिंहातं वृद्धत्वं वृद्धकर्म
नीतिविषयः यनिवक्तुयमर्थयुकाश्च दूदयति ॥ दिवमिति ॥ यदि दिवं स्वर्गं वा रथं यमयाये स न दायया

॥ ॥ कियदिनि ॥ हलोनिनेनादि कियचिर्नकनियवदु काले व्याप्यसुमिधना तवसिकियदि निविन
 स्यविनेनससम्यविपुकीममवुक्रयथलिसक्रिगसुयादिर्नतययुधमसि नरुयसादुगानाहिलविर्नवनेडा
 मोतनलतखयापुहिनेयवर्नसाधुसत्यथासादवैवेहिर्नुकाहुमिक्काभिवर्नोडामोतनिविहंतिधनेलिहसा
 धुधलभनेनसत्ययनिनिव ॥ ॥ ॥ नीनि ॥ अथदागुमयुविश्वनासाहल्यवादिउमनावाक्रलवयधनि ॥ ॥
 निकथिनेयकाभलहिदिगाउकाणेनीमनागर्नमनहकिर्नकथयिर्नुनलभकनसमथविहवज्जगाहगा
 वयसासखासन्निधानसिगाविहहिर्नुयनादुरुमज्जमज्जनेककुलश्रुयैयकृयथासाहल्यनुकगायथगर्त ॥ ॥
 वदनिवुक्ष ॥ ॥ सखागि ॥ नदीया ॥ नीनीसम्यन्विनीसखागैवर्नुनेवुक्रयानिधमवायरावकिर्नदत्याहाहसा
 धनययदिक्केवुकेससिगदानिवाधजानोहियदथयत्ययाजर्नवपूधनीनमनयाणेयातेयधसाधने
 नयसुडवायधकर्नयथायधायवानलकुरैकयगतथागनीनकनमिहथधवपूधकासल्लालयसधकठि
 नेलाहिराविनायमेययदाहयेतुविद्यादिवविषयनानादिवपावकधपून्वावागिगावकादिलसम्हा

यिनामनिवर्तुनमिनिवकुवुक्रयानिलातिनिनिश ॥ ॥ ॥ यमिनि ॥ ॥ यमानिनी ॥ नीनीमहदुयतनी
 नयवुदिग्गयनीनविप्रियाधिकलक्ष्मीकानजुवूनमन्यामसत्ययिनाकयातिनिवर्नयानिधमिक्का
 देनीमदनस्यनिप्रहात्राभादाहानसोदर्थतहोयैनरुयतदनतीयमित्यर्थधुगवमानिनीत्युचिन
 विनेनयनसुर्वेसम्यगिमनरुहयनादिधगुनित्यर्थगलाहिलोयस्यमानिवकावादवमन्येयगानाग
 ल्यमगानलोयातावधमनहाननेतिधगानवपूधदात्यपीनिधवसिगविलावाविहानामानस्यविरा
 ययासलायधनानकस्यनित्यमवपाकेनयुयागसधदमनरुनेतिधोत्तैतनकेथनेरतसुधदिधसमा
 हानन्यथनिधिगाधलिनसमाहानयेतिनिदिधुधनयवुदिन ॥ ॥ नीनी ॥ ॥ निवक्षीसमासववुदिनी
 भाहानयिमाकयातिलादियासुधनेनातिदधसहल्यमूकेयसंभाकासवकासाह ॥ ॥ अथक्रानि ॥ वि
 भाहुरेसत्याहिरागमूर्किधकायायस्यगस्यवृषधननधकासस्यनिलीमूशेवातध ॥ ॥ मांससखायय

नयार्त्तं मुनिदीर्घकनलीयथास्यालुथादुदिभ्रान्तहिंसितवानकाभाहितयानन्यान्यानूनामर्थीगननकन
हनमकिनेयगुविडयाकांशिति(मोनीहिंसितवानित्यर्थः) एकनेसममकिनेदुगुमादुकीदृगंजिलीमुखं
पूनाप्रथममसंक्राष्टमादयायादूकानानाबलमुखनवस्तननिवृत्तायाद्युशोभतेऽनुतेनवस्तनाविमितिद्विगुली
रुगकियायक्याद्वितीयार्त्तं निवमेयाममुखऽजुलद्वानेनऽकगवृद्धीकठेनुकपृष्टीअदनमितिद्वयऽअनद्वय
विगयागादकमकिनेनविनायऽअयाकमुखऽमिमुखनयाकऽमिसमासनिक्षेपितिनित्यानिवातऽयतनंयानं
नित्यावयवविगयलयायगायायेनऽतथाविधऽवागयस्यतथायथास्यालुथाद्वि(मोदित्यर्थः) वायतंवायतं ११
दीर्घद्विगुलीयन्यावदितिद्विगुली ॥ तनऽयत्तुमिद्वयवातमात्रेणैवालाउमदनाउद्वगमदना
सनीविगुलीद्विसंज्ञागिलास्यविनिवृत्तिस्वास्तीकाउकदाविदविनलतेनअर्थकामसंज्ञायालुगविमुखं
ननप्रवतीत्यर्थऽकीदृशीललाठिकाललाटलक्षानसुदर्थयवन्दनंनक्षुसनालकोधुर्कुकेलायस्याऽसाञ्ज

कुबेनस्य३

एककामसंज्ञायायनादादार्थसोदित्यवन्दनानूलयनं हिमगिलागयनं चकृत्तथाविसदर्थकन्दयडनि
गनायनादनवृत्तिरुविगुलीललाठिकेगिललाटलक्षकुर्लकात्रऽमिकेनृगवयस्यललाठिकतिनामलिङ्ग
॥ उदाहृति ॥ यैवालाअनकल्लवद्वनऽकिनेननाञ्जस्यैकयकाऽयुगस्युगार्त्तनादयननादयतिस्माकि
रुगाऽवनाकेवनसङ्गीनेमिलितमनसुखाद्वितीयाऽसखीनायानूनादमयितमवकेयनादयनविनाकि
नारुनस्यविनेऽविपूनवक्षदिविगयललाठिकेअगुविषयविषयि(मोनेदविवक्षायांनयऽउदाहृवर्त्तुनृचकुन
यागयमानेऽद्वयदेऽवद्येऽमनविषयसुनसम्यन्विष्टकेनित्यर्थऽदंभखादिश्रुकाकुटीयकुर्लानंद
कुर्लकात्रऽमिनेनगऽवकुर्लगावकुर्लनिविगुलीयदंवाक्ययययतिश्रुअनऽयानंविनालयस्यनूयस
नादनऽमिविगुलीगलवाक्यनृगीनसङ्गीनेमिकथनऽमिनेनगऽकिनेनृयदेऽवियस्यललाठिकेअल्लयसवा
थायऽकटुसमास्त्रलिनेअनृनद्वदकधदसमाद्विनेनऽ ॥ गिलागऽमिनेनीयालागऽलगाऽउकाथा
नामवयानंमिपूननयियास्यस्याययागऽगिलागऽअवावागवायास्यलतीयालागऽगिलागययगविश्र

[illegible][illegible]

हज्जरिषायैयथास्यादवैल्लभनयकान्तारिषायैयथाकथितसुगिसद्विज्ञानेनीमयकुन्त्यसुवान्मयि
ह/नेनिन्दैल्लभसखीवचनमवैयकान्तैयनिद्रासुगितिल्लसखीवचनमवैयपनिद्रासुगिमियथैयद्वान्देल्लसखी
वचमवैयनिद्रासावाभूयविनायिवाकान्तैयकल्ययुतीति॥यथादव॥किंवाथनस्यादिमिभूयनगम्भीकीदृग॥नेहि
कावक्रयानिरुद॥सुन्दमानमतीत्येतिविज्जानसमास॥यद्वानेसा नामस्त्वैन्दन॥गुणैरस्यवसुन्दन॥मि
भम्बन॥आत्मनायित्वावज्ञानपिभूयस्त्रायाभिज्ञैर्नैकथिर्नैवैयनिद्रा॥॥अथेति॥अथाननैर्नैल्लयुगी
मिगाकनसत्येवकुल्यथस्यादवमहावतकीदृगाम्कलीकतासक्कायीकताकुलयायगगगाग्रहैरुक्ता॥
नाऊदकादित्वाद्रुवननियोग॥सुटिकारुमालिकारुतिकस्यउपमालीसुमर्ययकीभूमासालानिवर्णना
र्थमवाहुलिभूकलैर्नैकैर्नैमोनल्लज्ञावगमद्वाकथैश्चिल्लसखीनिर्वायवस्त्राविता॥वैवकयामिनि
यनिद्रिनावाग्यवर्नययासायसुटिकैरुद्राकुरुद्राकुरुद्रावसुद्रावाभूमासालाकुकरुवाजायकैर्द्वै

सिद्धयन्तनङ्गयसुटिकमालायुगल्लुगि॥॥यथेति॥हवदविदीमस्त्वैल्लस्यथालयाभुर्नयनिद्रासु
वैल्लभक्षानिर्नैल्लथेवद्रुतस्त्राहमुर्येज्जनाहमुर्ये॥यदस्यलीयनेशकुमल्लेउत्सुक॥उक्क॥किलवाङ्गय
सुल्ल्याकिद्रुनिद्रिवाङ्गमवयर्नैरावनिर्नैदर्थयल्ल॥यनिद्रासुवयथका नामवालाद्विज्ञानावयानिग्रहाणि
लावैकथयदल्लुगिर्नक्षत्रैर्विर्वैथकिमर्थयल्ल॥कियन॥ल्लेनआहमन्नानथनामिक्का नामगगिनविष
यानविज्ञाननासिस्त्रैर्नैव॥द्रायवर्ल्लेनैर्वैगिराव॥मन॥वनेथरुबानिगमन॥निवाङ्गवाभूयज्जनाह
नयलील्लमहायद्व्याकुल्ल॥नियल्लयमस्त्रासुवादाकर्तुर्नैल्लथेव॥द्वैयनयल्लेलायाय॥किल
भूयनिद्रयैर्नैर्महायनाकुमनावाल्लयायल्ल॥किमिगिकियन॥ल्लेनआहमन्नानथनामिक्कादिभुर्नैभम्बान
क्षानिर्नैगिर्विष्व॥निद्रयैल्लेनैव्याङ्गउत्सुकायाकिल्लुगमिगि॥॥अथैरुति॥अथाननैर्नैवैर्नैवक्र
वानांआहउवाचमहेश्वराहनाविदिनाज्ञानवमहेश्वन॥गिसायसासैयूनल्लेनदर्थिश्चैववर्ल्लेकामदा

हा हा क न द र्थि नी त्व म ह ८ ॥ दाना मयि ना द न्ना क्तिक न म न्व रू य न द र्थि न्य व त्व मि ति पू न ८ ग दार्थ ८ य द्वा मया
 य नि हार्से ८ ॥ क्का नि षे ८ धि क्ते गे यि त्व न द र्थि न्य व ति पू न ८ ग दार्थ ८ अ म ह र्त्त म् ग न वा सा दि त्ता त्वा स ८ पू न
 ८ स वा न गु न ति न नू ना ८ म य स्य न वे य धि क न ८ धि यि ग म क त्वा द दू वा हि ८ य द्वा अ म ह र्त्त म ल स नी ति क म् अ न
 गा द न्ना यो ति र्थ स्य न न्ना वि ष वि वि न्य न वा न र्द र्ति क र्त्त त्वा न द्वा स क्का म नू ग न्त्त ना त्वा ह क ना मि अ हा ति वि ला
 ८ हा न व र्त्त मो न ना वा वि दि ८ ति मे ति वृ द्धी ति व र्त्त मो न क ८ ॥ अ व मु नी ति ॥ ८ अ व मु नि र्ध न्य व न्ना स त्व
 म य न सि के अ य क व द रू ८ नि व स्य द र्त्त न स न व य ध मा य ग रू त्व थ म म र्त्त रू न म व ल स्य न ध न्त्त क न स को
 न ल स दि ष्य न स व थ चि ति क र्थ त्व मि न म व वि न क्त्त य द्वा क र्थ य ८ नू वि न क्त्त य द्वा गाल न्त्त ल द्वा स द्वा न वि ८
 ति य थ म य द सून स ८ की द न ८ क न ८ अ नू क ८ य नि दि ना वि वा रू क क्त्त न य न स ८ को रु क ८ ति या ८ वि वा रू स
 र्त्त न र्त्त अ व द्त्त ति यो ध न ८ ८ य थ ८ की द ८ न क न व ल य ना नी ना ८ दि ८ स र्थ य न आ म् क य नि म् क य वि न्

द्वा वि न द्वा व दि ष म न ८ को रु क म ह र्त्त ना ८ ग वि वा रू स तु स र्त्त क ८ ति म दि नी क न ८ ॥ त्व म वे ति ॥ अ न्ना य
 य रू य त्व म व न व द्वा क्का य क म् क्का त्म ने व य र्थो ला न्य य र्थो ल द्वा क द्वा चि द वि द्वा न स म्भ न्त्त म ह र्त्त रू क न ८ कि
 रु द र्त्त व र्त्त द्वा रू ल य द्वा व रू ग द्वा जि न्त्त रू लि च म् अ न्ना य स म्भ न्त्त य र्त्त का नो की द न्त्त रू ल ना र्त्त ना लि र्त्त न र्त्त
 वि द्वा स दि न्त्त न द्वा नि न्त्त की द न्त्त नू वि न वि न्त्त व र्त्त न गाल वि वा रू ना य न या क न्ना व र्त्त रू स लि र्त्त न मि ति स मा म ह र्त्त
 या न ८ या न ८ र्त्त न ना या य र्त्त न स ८ ति य्त्त वि ति वि न्त्त ८ ॥ च रु क्त्त ति ॥ य ना वि न्त्त नू वि न व र्त्त न ८ या ८ य द्वा
 नि र्त्त नि य न रू मि ष्त्त म्भ न्त्त क ना ना मा नू स स्य ग र्त्त क वि ष मि ति क्त्त न का यि ना मा न व क्त्त को वा द या क्त्त थ रू न
 या ८ च रु क्त्त को की ति र्त्त न य रू स म्भ न्त्त ना व की रु य र्त्त या क या ८ य द्वा नि की द न्त्त न नि र्त्त ल क स्या द्वा चि द्वा य र्त्त ना नि य
 न रू रू क्त्त की द न्त्त नू वि की रु वि क्त्त फा म्भ न क क्त्त म या स ना स ८ न या न ति रू द ८ ति ता व र्त्त वि की रु य र्त्त नि
 य रू क न ८ क थि ना व र्त्त नि ति वि न्त्त ८ ॥ अ य्त्त मि ॥ अ न ८ य र्त्त कि म य्त्त क र्त्त र्त्त न रू स रू र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त

[illegible][illegible]

[illegible]

की ह तु मा ह म न्दा ४ या या ४ ऊ ल्या वा म ह नं म ह ल म ना ऊ वि नं वा या नं द्वि व कि नि न्द कि सा मा न्य ग द ४
सा धी न ल थ ४ म न्द श्वा ल्य य नो ग क र व ल्या य न ना व यी नि वि न्ध ४ ऊ म ह ल ता र्णा स न नि मि त्ता ल न मा
ह ॥ ॥ वि य ॥ ॥ ॥ लू द्ध न न य ना य न न नु श्व यी हि ता वि ल य ड न न म ह री गु ला य न ल स क न न य
न ग ल्य पू न ४ द न ल लो क न क क ल्य ऊ गी वा र्म स न न र्जु द न्य ल्य स न ४ लू द्ध ल्य ऊ रि न म ह ल ता र्णा स न नि
हि ४ किं ऊ वि गु न कि म वि ऊ रि नि नि स र्व सा स न द ४ क दा वि ल्य कान लि ड व य न अ ह क ४ क दा वि ल्य
कु म्भ मा न लि ड व य न अ ह क ॥ ॥ वि य क द य स कान न नि न य ल्य अ ह क ४ ऊ रि ४ य ल्या ग अ ह क ऊ ल्या य
मं न वां व लि हि वा या नं ४ किं ॥ ॥ द य क म्भ मा न व लि न य ल्य लि ड व य न अ ह क ४ ग न ल सा धी नि ल्य ॥ ॥
खा दि ल्या य ४ ऊ न ल्य ता ४ स र्व वि श न न क ल्या स ग न नू न्य स ल्य थ ४ ऊ रि ना न न मा ल स र्व ॥ ॥ य द ना वि
न स्ता या आ ल म व लि य ४ सू वा या ना ऊ रि ४ किं न कि म यी ल्य थ ॥ व पृ थ्वि न्द्र या कू मि ल्य दा व ल न मा ह ॥ ॥ ऊ

किञ्च न० ति॥ न किञ्च न किञ्च द पियस्य स निर्द्धनः स नू विरुती नां य एव उत्य कि स्या नै विरु मद्य भ० भ०
नं गदव० भ० य ना विषया मस्य स० भ० भ० नैरि न० स नू ला काना ना थ० पु० पु० सही म० नू वीयस्य ग० द० म० स नू
गिय० क० त्या लदा यो लु० यान्जु० ग० ह० ग० ह० न० स्य या थ० थ० विद० सु० ल० ह० नि न० स० कि० ध० या० मि० ना० वि० स० नू० व० ग० क०
ने जान की ल० थ० द० नि० ध० धि० क० कि० च० न० नि० वि० श्व० य० थ० थ० व० य० य० क० न० थ० ल० ल० न० मा० ह॥ ॥ नू० सी० य० द० नि०
न वि० श्व० न० सी० य० द० स्य० त० स्य० व० व० ए० न० ग० क० न० त० स्य० य० न० लो० व० वा० उ० उ० व० ग० मी० व० ग० म० क० ल० मी० नि० ना० म० क०
के न० वि० क० मि० त० द० व० द० नू० न० ड० सा० ह० नू० म० ह० लि० र्य० या० सा० ह० लो० क० ना० ति० व० वा० की० ह० म० पु० ति० नो० म० क० दि० व्य० न०
त० पु० ना० व० मी० जा० ह० न० य० स्य० स० य० मि० नू० वि० स० य० न० म० मा० दी० श्व० न० क० ति० ला० व० व० व० ल० ति० न० ती० या० पु० ति० नो० म०
कि० ना० म० ल० ल० म० न० ग० ल० क० ड० न० म० क० ल० ग० ल० न० मा० ह॥ ॥ वि० व० न० न० ति० ल० या० य० ना० ल० म० ना० पु० क० म० गि० दा० र्य०
य० का० म० य० ना० वि० न० म० नि० व० पु० नि० ल० की० क० ल० सा० ध० र० ड० ल० वि० र्ग० न० ग० ल० न० मा० ह० य० मा० लो० पु० वा० पु० क० ल० म० यि० का०

[illegible]

[illegible][illegible]

हायकीना निधनयकः ४६ सौविका नाहे मवल्कलं यथा गनलठ यमालाः ४ युवकीयुवजन माप्रि ताः ४ कत्यवशा
 ॥ तवुक्कयय्यननादवदु मा ॥ वरविमुकाहमनत्रव काहवकि युवकगिबुजयडा कावक यहे समिति नविका
 नाथसयठियाकक विदयवादविषययूत्सर्गयुवलेन ॥ गियातिनडा नादि एाभु वाउदारुत्वमवाह ॥ ॥ अ
 धनिनि ॥ यू नः किंरुताः ४ सहसुनमिनासुनासुर्थ तसन मस्कारयथा स्यादु ग्यत्तन ४ यू नः दुर्दु दसाकीद
 ॥ ननाधः ४ कनधाह केनसमावडि गाना मिताकेन वाधुदभुंथन ननविनकन लमाह ॥ ॥ आसकति ॥ यू
 नः कीद ॥ मयलयायदिक स्याक मसवनाहदकहस्या सहविभकाः ४ विनगनुमाः ४ नदानयिनयेवमि गतिहावः ४
 कीद ॥ अरुवाग्ना सका समझा वादुतगासुयायान त्यादादिव नाहल गिनगुडल नमैत्यथः ४ उडु नयानमागता
 दलालिकया अर्थदादिव नाहने वनसा गले मन्मरुनादिव नाहना दू गितियूनाली ॥ ॥ सग्नः ॥ गि ॥ यू नः की
 द ॥ ४ यू नाविहिनितिगिहसुहे ४ यू नातिनाथिनकनाः ४ क्षाननः ४ गुहानः ॥ गिकीकि ताः ४ कथिताः ४ विग्वथान

७३

बुक्कल्लेनमनं यन्मत्सर्गलयस्ययुनयना लु नः वुक्ककतसुहो लया लुनयनं कल्लन ॥ ॥ यथः ४ अग
 यियूनामननं यू नायूना ॥ निनकः ४ युवकीतीगला विधितिमिदिनीकनः ॥ ॥ आकनानासिति ॥ यू नः कीद
 ॥ ४ याकनाना नादुर्दु मकनातयसाहसदाह त्याहनु विनडी विनः ४ गयः ४ कूबी मअ यिरुल हाकन ॥ ॥
 यः ४ कीद ॥ मनां निमलाना विगुडा नायविनाकरुलदाह लमयनगाना ॥ ॥ गवामिति ॥ गवामि सफवी
 ममिधनता सा धी सगी अरुधती वदु अतिगयि यथा स्यादव वरास कीद ॥ ॥ मियनन निदिननेगु
 सगी लादवसाका मू लितयः ४ सिद्धिनिवज्जु नायभयी ॥ ॥ गामिति ॥ ॥ ग्वनाहनसा मरुधती सिकवी
 थमू ॥ मयवहदन ममयूना ॥ कानले वाय ॥ थमू अयला कितवान नूक थसुी पूरुषया मु ल्यमवलेनवमित्य
 नभाह ॥ र्यसुी अर्ययू मोनिले वा सावसाडो मानुगा अतः ४ सगी सा धूना वलियत्रिर्ग सहिर्ग वुडिर्ग हव
 नितथयउत्यवनिगन गुत्यपवलेनवमिति तावः ॥ ॥ आल मना लानयनीयका सुक थमू ॥ गिदि

॥ मदि नं निमरु पूजायामिनिवृद्धि किक कस्य वरु मान निवली समास निवर्ध ॥ ॥ नद ननादिनि ॥ न
 स्यान न्ध लाह द नना निवस्य दाना ययिती निमिहं कया लुयून आदनाय लो वरु वरु लुयत ॥ धर्मि ना धर्मि
 दनेय नाना क्रिया ल कर्म ल दाय ल जाया य कि लो वा मूल सा धन माई कान ल य लु क री नदन या सह मि सथ
 ती कस्य सर्व कर्म ल धि काना दाना ॥ धर्मि ल मन ॥ जाया य नि श्व जाया यार्ज रा वोर्द रा व लु नि या ल न स्वा र्थ
 य ॥ ॥ धर्मि ल नि ॥ काम ल न कि रूय ल मन शिरु मू क सि नं उल सि नं वरु वेल थ न ल नि वि ल मे नी यु नि धर्मि
 ल वि यर्द वा व सा र्य न मा क्क दि क कानि न नि वी दि न स नि न म यै व के ना य नो ध ॥ क न हे कि नु धर्मि ल यी नि ता व ॥ ५१
 ल मे नी वि वा ह म सा ल्य लि क वि शी ती ल का लु ह रु ॥ की द न ल य द्वा य ना ध की त ल्य ॥ ॥ न ॥ स व ॥ ल मन ॥
 ल मन ॥ ॥ अथ नि ॥ अथ न के नं स क र्थ या उ न दु न मी न य रू यि ल ॥ ॥ द व रू मान मू न हि हि न व न क र्ति
 रू ना ॥ अ नू या ना ॥ सा न व द ध गान ॥ यु म्ना ना मा कि न का या थ अ नू या ना ॥ नि अ नू द्वा द व र्ति कान
 ॥ उ य यि वा न ना अ न नू या न ॥ अ नि नि या गि त ॥ अ नू या न ॥ य व र न सा ल धी ती गु ना मु य ॥ ल मन ॥ अ नू

जानै र्व ला यी वि न या व न नै रु न मि गि ल ॥ ॥ यदि नि ॥ य द्वा क स म म्म म्म लानं य द्वा द ॥ सा म ल न य रि न ॥
 य द्वा क स म्म लानं सा म ल न ल र्थ य व द्वा व द वा वि यु का न ल क र्ता म ॥ क न ॥ य द्वा न य ॥ ल क र्ता क र्ता य स स व
 ल रू ल म ल्मा के अ द्वा मि नै ह नि वि व र्क य नि न नं वु क न ल न या व द ॥ नि म दि नी क न ॥ य नि यू वी ल य ॥ क ॥ य वी
 व ॥ नि नि क र्ता कान ल य व ॥ न द व रू ल मा रू ॥ ॥ य द्वा नि ॥ य सा ल्वा या उ न नी म ध क ल य नु ना धि क र्ता न वा य
 ल न ॥ अ ल्म म ना वि य र्थ वि रु ल म र्थ नै ल यि ना व र्थ की द न म ना वि ल र्थ म ना न थ ल्म रि न ल यि अ य थ
 म व ल म द्वा म ना ल म र न ना म न सा यि न ल ल न अ मि द्वा ल र्वा द य थ मि नि य ल्म वि हा व ल कान ॥ स मा सा न ॥
 अ य थ नै र्व स क मि नि की व र्त्त ॥ ॥ य ल्म नि ॥ य ल्म वि ल र्त्त व र्त्त थ ॥ व र्त्त स म य मा न ना व ल्म नि ना य रि
 ना ना म ल्म व ने ॥ ॥ क ॥ य ॥ य न ल य वि ल व र्त्त स क र्ति यून ॥ सा ती व ल्म क ॥ स थ ॥ की द नै ल्म वु क ल्म व द ल्म
 ल क र्ता ना ॥ कान ल ल्म कि यून ॥ सा द नि न थ ॥ नि ल्म व ने ॥ ॥ स ल्म नि ॥ सा दि ल्म थ डो थ य न म वि क
 उ द्वा र्थ ल्म नै म ध्म ल्म र्थ वि ना हा स ॥ नि स ल्म नि शि ग म व न व ल्म न न र्वा ल्म लो हा न य द्वा व र्थ स र्थ व द

विष्णुवर्णनं मध्याह्नं आदित्यवर्णनं काश्यप्यवर्णनं मूर्ध्नि भास्करार्थं नृगयाति नवस्मृतं नृययुसादाह स्मादपि
यदादृष्टं मर्त्यं महत्यदमं मध्याह्नं निश्चयं लाकं दद्यात्समिति विष्णुः ॥ यदमित्यादि निष्ठादाह साकं मर्त्यं
लाक्षां कर्म ३ किमिति दित्वा सुपुत्रं यजुः उच्यते यदस्याहु यत्वा दवत्तु यत्वा ॥ इति स्मृतं आह्वयं नवस्मृतं
युसादाह लाकादव्ययं दमं मध्याह्नं निश्चयं लाक्षां निश्चयं लाक्षां निश्चयं लाक्षां निश्चयं लाक्षां निश्चयं लाक्षां
अस्यादित्यं मध्याह्नं क्रियाविष्णुवर्णनं वा ॥ इति ॥ यद्यसात्मानं वदन्मन्यामहस्वीकर्म ३ आदित्याम
हस्वीकर्म ३ आदित्यामहस्वीकर्म ३ आदित्यामहस्वीकर्म ३ आदित्यामहस्वीकर्म ३ आदित्यामहस्वीकर्म ३ आदित्यामहस्वीकर्म ३
उरुमादवाप्तो जनानां वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ इति ॥ यद्यसात्मानं वदन्मन्यामहस्वीकर्म ३ आदित्यामहस्वीकर्म ३
वा विष्णुवर्णनं नृगयाति नवस्मृतं नृययुसादाह स्मादपि यदादृष्टं मर्त्यं महत्यदमं मध्याह्नं निश्चयं लाकं दद्यात्समिति विष्णुः ॥
नृगयाति नवस्मृतं नृययुसादाह स्मादपि यदादृष्टं मर्त्यं महत्यदमं मध्याह्नं निश्चयं लाकं दद्यात्समिति विष्णुः ॥

[illegible]

न च तस्य न नीम स्यात्कारि लुके दिकि न लेन्य वि न च न च यन उ य वि न स म र्द्धा दि ल्य था व नि न स न मि
 ति धन नि ॥ ॥ विदिति मि ॥ वायु का के विदि नं हान म व य था स म थ का थ न य र ह य थ का ॥ किं तु य ना थ उ
 व स द्वा ऽ गित व ४ न न व ध न ले सा रि ४ वा यो दि हि न व रू नं पु व यु का न मा य न ४ य ना य का न पु वा हं सु वि न ४
 क थि ना स्त्री ति वा नि व द्वा ऽ न वा यो ना का न व नु मा अ वि न वि ना ला म ह व न स्य थ का मू ह या स न ॥ ति
 पु ना न ॥ ॥ मा ह मि मि ॥ मा ह म थ थ र हि न नि म न्नु म ग न क न वि यु क ग र्द्धा वि न ४ सु नं दं वे ४ य रू मि य
 स र्व यु मि या वि ना र्थ वि न ४ य थ वि या सा कू ले ॥ अ ग के ४ वि वि ह नि यु सि द्वा वि द्वा भ धा व हिं यु मि या न न न ॥
 ए थ ४ वि द्वा ला न्वा नि दा म्ब ह दि ल स न ४ न मो म र्थ थ ॥ ति र ला ऊ र्द्धा रा व ४ अ य धा नं ल ल हा ही ना मि ति
 नि य मा लु धा न क र्म ॥ ४ य रू मि द्वा न लि हि न ला दि नी या य द्वा यु न ४ क र्म यु व व नी य न या ॥ ॥ अ न ॥ ति
 ॥ अ न ह ना ले नी मा न तु मि का मि अ ल उ म न पु उ न मा र्थ ॥ सा वे जा य न पु र ॥ ति पु न ४ य थ य र

स्य क र्म ॥ अ न ह ना य न न का र्थि ल य अ न य मि न ल य थ ॥ ॥ ना मि ति ॥ य था रि न मि नि मि र्द्धा मि ति सा
 ले नी या वि न य ४ य थ वि न य ४ न य नु व न पु र क ४ कि मि नि न वि य न ॥ ल न मा ह स दि ४ सा
 धू रि ४ अ न्नु दि ता ४ क न ४ स म्भ ॥ वि वि या र्थे वि का ना य न क र्म नं पु र व कि ना मि ति यु धा न क र्म
 ध न रि दि न दि नी या अ यु धा न हि ल हा नी ना मि ति व र मा द यु धा न हि मा ल थ क र्म नि न य ४ वि वि
 या र्थे ॥ ति कू कि स म्भ द्वा मा नं र उ थ ॥ ॥ उ न न ति ॥ न न नि नि म य डि न स म्भ द्वा क न स्वा ड न्य मो म
 य व ४ क न म्भ ना नि नं वि ल डा नी न न क व र्द्ध नि नं ना य वा नि न ४ किं तु म मा पि डा नी न ल य र्थ ॥ सु न स
 ४ की द ल न उ न न नं तु ल न म हा न थ न र हि मि म ना हि न ल स स थ दि न र रू म क र्म वे द ना र पु रि
 वि ल य ले ४ स म्भ ॥ य थ ॥ ना का वि ले नि वि द रू न ला ट स ध म पु रू व व दू व व नी ॥ ॥ पु व मि ति ॥
 स मि नि ४ क न्वा नि मि र्द्धा म र्द्धा क न व के थ र व दि नि नि यो य क र्म नो व दि ॥ अ न य ना र व न्नु नी र्द्धा

नमो वाचं यवरात्रं स्मृति दानासु कृत्वा नाना नमस्तु तस्य निष्ठाया श्रुत्यादिना मनाद नमः ॥ अ
 श्रुति ॥ अर्था मान्यान् नृत्तं विनो विवाहं व्यापारं यवरात्रं कर्तुं मर्हति युक्तं ननु गुरु माह
 उर्वेषु कानि केषु शाङ्गं न वाह्यं न स्त्री नो भुगलुताया विध्यं न वति पुनश्च सूत्रं निगोपितं
 मनः ॥ तदिति ॥ तं रुक्मा दाष धियुक्तं नाम हि मातृ य पुनं सिद्धय काश्चिथः ॥ पुनं पुनं नमः
 ननु सिन्धुहा कोणी नदी विष्णु वनस्याः ॥ युवा नन न नो मा कं पुन न व स द्वा मा मि ल न न ग र व नो २०
 नृया लया मी ल्यथः ॥ तस्मिन्नि ति ॥ तस्मिन्नि विनय सिन्धु मा ध्येय थ म वि वाह स मूखे या न न
 न स ति या जा प त्या व कृ पू ग ल य सि न म न ये ॥ य नि ग र वी दा वि वाह न ल क्का सि ल्ये ॥ न हि नि
 ल्य व द्वा वा नि ॥ न नान (गुप्ति स द्वा ल्प कि न म्मा स न्ज न रू न मी स द्वा ना म म्मा कं का न य सि

नति कृत्वा उक्तं नति ति डा हा क्का नति ठ य नि ग र व वि न थ य त्या मि ति म दि नी के न ॥ त न
 ति ॥ न द न क र्त्त मा मि ल न म मि क लो म् नि म तु लं त य सि स य ॥ यु न लु व लि न ॥ ह ना वि य थ
 म क थि र्त्तं को णी यु या न स्यो स्त न न क ॥ डा मि ल न म नो थो कं पु न व वा यो य क म ॥ ति वि ष्य ॥ म तु
 लं नि व द्वा वि ष्य ॥ ति व ॥ ॥ न ॥ ति ॥ न य न म य य ॥ र व न व ल मा का न उ क्त ल डा ष धि यु क्त मा म
 द्वा या को ॥ की द न ॥ म न सा तु त्या व न ॥ म ना हि य न म व न न या र या न न ह ल न सी तु न य स्य
 द ॥ ल्य म न ॥ ॥ अ ल क ति ॥ की द न भा व ध यु क्त क न म ति कु म्भे व स व न्म स य ती ना स्त नी
 ल का हि ध न दा षि षा नो न्ध न र्त्त य दा मा गु य ॥ पु न ॥ की द न स न स्या रि स्य दि न म न न्म खान न न मि ल यी नि ना म ति ॥ ॥ यु थ म
 कृ त्वा उ य व मि न मि वा ना वि न मि व स्या द रि स्य दि न म न न्म खान न न मि ल यी नि ना म ति ॥ ॥ यु थ म
 स र्त्त न्म खान न न क र्त्त य न्म रू ग नि व गि न मि ल थ ॥ य द्वा स र्त्त म रि स्य न न उ त्त्त न रि स्य म रि स्य

यानयकिवृषसकवर्गयनासुक्रागिर्वागानकानयुनिविश्यानियुनिरुतनानिउपदानगस्यपुठो
 कननायाभकेपंडयकीकुर्गायुवर्गान्यानिहायानमयिसुठिकस्यवैतिवाद्दवीआकागम्यामिक
 यासंवलितावायुनिविश्यासुठिकेयुवर्गहोआनादलयासायानमिलमनउपकीकुर्कुविकि
 ककुसुमेयिनिगद्यनतिविश्याक्रागिर्वादेसामान्ययुवर्गमेयिवाव्यनेयागानागेउयनभ
 वेमिउपदानसुक्रावद्वैतिवा॥ ॥युनि॥यगेरिसानिकानायिकाहेदाहनाजोददिनाविम
 यक्षकविगमिसुनातमसुनीनाजिनरिहाअहायुसनीलथकीद्वयहडावधिदीक्याय
 काजिनमाकर्तनकेकुनजनावीलमनहसुननतिमसुनलेमिन्नथमिन्नसुननतिम
 सुमाकर्तवावीनियामिगहमसावनमसुनिविनिविश्यामिसुनिमिर्नमसुनलेथहदिने
 उलदक्षमिमिननकावकाकारिनीनुयायागिसुकर्तसारिसानिका॥ ॥योवनाक

तना४

मिगिगेयवयायोवनमनीयस्यनजनागसुदलभिवसदायोवनमित्यर्थकुसुमायुधका
 भागाननीनहनीनवाभवयदाजूनकानकेसुमायुधयस्यगादलहसुकायेनवनकोत्याद
 नागखदस्यसमसुनमूल्यकीनतिहसुननमेवननयनेनखदेलेथहसुकावियस्येयानना
 हावोनिद्वयनमनेनमित्यर्थ॥ ॥युनि॥यगुलीकायेनायसादयस्यकमयिना
 यावकावियाहकनाहवलेहोहसादिनाहकीहोहकार्यहयार्थकस्यजनकेहसकस्यडाव
 ययुमेहललिर्नविलासयुक्तकुल्लानर्जनहसनेयवनेहलीदलकाववलेहकामकलाक
 नलायवलाययुमितावहकनयादाहविन्यासांनुनजोहयथाजिनकेसेमानविक्षनन
 लकिलोकनलायवलाययुमितावहकनयादाहविन्यासांनुनजोहयथाजिनहसुकुमे

हिनं पनिकी किं न मि वि ह न ॥ ॥ सु का न नि ॥ य स्य च न ग न स्या य व नं स मी य व नं न न्ध न मा
 द नं मा द य ह य द्वा य स्य ग न्ध मा द नं य व नं वि न बा वा ड य व नं स मी य कान न मि ल्प थ ॥ की द नं सु
 ग न्धि न्म र न ग य कं वो र्क न ग न व न ग न व दि ॥ सि र्ग उ द्या न मे श्व सि र्ग वा टि का ह न नो का य न
 ॥ की द नं द व द कू कू या यां सु का वि श्रा ध ना उ वा ध न ॥ य क्का य न न नु न ना गि व स्य न का सु धा
 नं ग न्धु ती ल्प थ को ध न मि य ॥ स्या द्ध न्ध मा द ना ह ॥ न न्ध व नान क न वे न सु ग न्धि उ श्च र क्की वं क्की
 म दि नार्थ के मि ति म दि नी क न ॥ ॥ का द न न्ध के ना दि कु ल के ॥ ॥ ने दि मि ॥ दि वि स्य न्ध
 र वा य य ॥ स न्ध मि रि स्य न्ध न सु व नि स्य न रि स्य दि ना द नं सु क नं व श्च नां य ग न न्ध
 मि व म नि न थ न स र्ध ॥ वा य नं न सु क न म स्या के य न न क मि ल्प थ ॥ किं क ल्प सि म वा गि ल

वैदेसवर्गं गुरुवमिखलनननं पुष्कदका पुनरुखमदयिवद्रुगुगवुः पुमिलथः ॥ नः
 नि॥ नेसर्वदिमानयस्य नदे अवननन वगी कुविमलनया की दमउद मखयुगी हानदका
 जयनल्लिफिगा ४ किं नु नु ना रा न ४ चिगलि श्वेता नि वनिश्वन ४ हिनी ४ सा नेन कयिल गा वल
 ननिश्वन गा नि निश्वन गा नि सा म्यं उदा ले न निगी लं ह न ल केल ह नी या वा वि निवही नि
 द्या ४ लुगा ना नू य स (निके ४) ॥ गन (न नि) ॥ सामू नि य न य ना अ वि (न) नी गु गु रे की द नी
 गनना सा का म्भदा न ना यथ व द्वा यथ व द्वा अ व र्य विर को ला दि ना स मा स ४ य थ व द्वा य न
 ४ स ना (न) मय स्या सा था था व था धि क ४ स सा ४ (न) य स्या मि य मि य थ ४ य थ ल स (न) न न
 व म्भदा दि य कि ४ (न) ह न न थ थ ४ सा वि ने न ना द व गी नु ह व नि नु न न न व न म न न उ वि
 ना का व न ४ स ने ति य नो (न) व स क ल नि नि ४ ॥ ॥ अ धो नि नि ॥ अ धा हा ना म्भनी न नि नि

वस्तुवशाधिलविकानूलमश्चनमधःपुदलोयस्यसः३३अथदवदात्रवमलाशुआयस्यसः३३निर्वा७

यमादाययुल्लयशोदनादनगुवाहिकुभमकिं कूर्वनवसून्धनिलानसादाविरुन्त्रसारु
 नसारुनेतिनेवाभिसहात्मसूके॥ ॥ धातिनि॥ कीदृशःसूत्रकः॥ नीवीवीवदिमालयः॥ शुभामयं
 यस्माद्वाहुवनिद्रिकवलभाभूलाधवायस्यसः॥ शुभुनूचदवदानूवमदाकोउजोयस्यसः॥ येरुखेव
 खलवनेवगिलावरुवाहुदयंयस्यसः॥ उवयुरुगिल्यः॥ कयुअथवसूत्रकः॥ यमिसूठाहिसवानिवत्ता
 वनः॥ आयस्यसः॥ अथेनादनवसानेनूद्यधवाभ्यादितिचिष्टे॥ ॥ विधिननि॥ सगिनिर्मेमनिहिः॥ ॥ २५
 नः॥ यवमाकमयामासर्वध्रुगिसकीदृ॥ विधिनाययकः॥ सक्तावः॥ यजाययनेः॥ शुद्धमनाविलंकर्मयायाभाय
 याने॥ अनेनानः॥ यवयवः॥ अथाभ्यामासकीदृ॥ अथादनास्यसमात्मानामानेस्यवर्त्मनेः॥ कथकः॥ अथ
 मयामासस्यउमिनीकस्य॥ निद्रास्यस्ययाविरुविना॥ अथवावायुहानेवृरुः॥ साययवस्मिन्विशेषानेनका

मगी खोदी वानरुवजि कर्म कर्तुय मर्क न ता क्क यथेत्वा ला क्क निवृद्धी त्यादिना विर्यवृद्धिगीया ॥ ॥ नञ
नि ॥ नञस्य वृद्धि वीधनी निवि स च्छिनी निवि वृद्ध मात म्वा च वरा ख की दृष्टान्त वरा स नैव वृद्ध विना मन वि
दृष्टान्त वरा सीना म्वा वि शान वरा दि व विन मा स न भव म्नी नामा स न मि त्या वा व श मि वि की दृष्टान्त वरा
स न य वि य द्वा य न म्वा स न म्वा य म्वा य वि य द्वा य द्वा य लि य ले म्वा ॥ ॥ आय नि ॥ वा य्वा क्क दृष्टान्त
म म्वा नि ला मि ला स न म्वा नि नि ला य मि नै य न म्वा य द्वा य द्वा य मि व व र्वा मि नि न य्वा स क्क ला य क्क द्वा य
दृष्टान्त वरा दृष्टान्त क्क य मि नि वृद्धी मि व न दृष्टान्त दृष्टान्त य्वा दृष्टान्त म्वा क्क नै व नि ला दृष्टान्त मि य द्वा य द्वा य
ना य द्वा य म्वा दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त
दृष्टान्त मि व न दृष्टान्त य्वा दृष्टान्त म्वा क्क नै व नि ला दृष्टान्त मि य द्वा य द्वा य दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त दृष्टान्त

लोचनरुलस्यायकलाद्वयकमितिभूमि। अकाःकानिगुलवकःयद्वकं कानसर्वजगत्कानं लोकिकार्थ
 ननिकुमाग। कानंरुवनिमसर्वस्य लोकयागवेदिनः। नञ्वाकतिविधवर्धनास्वविदम्यनयथमदातिना
 मनाभवनयोनानिकेकादृशःसंतावयगिर्याभ्यववावनेःयादेवागुहितिनिनि॥ ॥मूमिनि॥रुवनामनूय
 दहंमूरमथात्मानंवेधयतिनेमिवमभ्यस्तीकनामिआयसलाहविकारंरुसीरुनंमूवलीरुनेमिवरुमी
 रुनेमिनिवा। नन्यायः८नदिनाधिकदावालोहंका लायसायसीत्यमनः८विकारंरुमी८सकासात्स्य
 र्धमात्ररुमिवरुमिर्लस्यमिवलथः८मूरमुनंरुनंजांनंनिकोयः॥ ॥आद्यनि॥अद्यानलेरुनाना
 यातिनागुद्वयवावनाभायाविनभ्यामियाथामिकुनः८यनादेदियस्यमिर्ननहीथयिचरुनंकथय
 निधीनांनिलवः८भयथाथविनभ्यः८स्यादितिभम्यनः८नीथयियायनभ्यनि॥ ॥अवेमीनि॥रुवाक
 तः८लथनेववदथनात्मानंयूनंयविनमवमिजानामिमलकंनभयवाकनयुवाहनययाना

निमपिनटं निमदिनीकनः८य्माकं कालिनचनलज्जनचनथयस्यतिः८विययादादककिन्नायावतिह
 निमदिनीगावत्युक्तययागुलविवकिथिनगजलमिति॥ ॥उद्गममिति॥रुनरुवममदेन्यूनयद्वयं
 रुवमदितात्साथेयुक्तविरुक्तः८यथकुनोनगुदः८यसाधयगतादृशंरुवदिनथकिनमितिमभ्यनद
 वाहृद्धमं गावद्वयंयेवावावनलभवंकुर्वित्वाकाउभयनंदीयनं८मिहावः८मवनीयनूयचनभतिनीरु
 कद्वयविद्याद्वयंविविधः॥ ॥रुवदिति॥ममाक्षानिभनीगावयवाः८यनिनाययउक्षीनेयुवकिमेदल्ल
 उहिर्नयानीत्यथः८कीदृशमभ्याक्षानियाकदिनकनाथपियनिनायायकीदृशययुक्तसीरावनयाउका
 नंयसीउकांनैथीमूलंशागस्वर्लंनदेयेयायः८युरवतिमूत्रंनेयद्वमा नायहबीधिककथननवनिना
 यायलसीशांनमः८स्वसीतिचतुर्थीमूलंशागस्वर्लंनदेयेयायः८युरवतिमूत्रंनेयद्वमा नायहबीधिककथननवनिना
 यथाः८नरु॥ ॥नकवलं८नि॥वायुमाकंराखनंदीफियुक्तानांअथवादितानांदर्शननाहाकनम

नमूकाज्ञानमपसंनं८ल्लदभूननुवमूत्रंन

रमिकी लोने नी मा नी रि न ध या मा सू र्व द्व या मा सू ४ की द नी ति ४ य या लु या क ४ रु ली या मा का ति ४ की द नी क्स् ४
 रि ल वि न य या ड न क ने (न न म नी र्त्त व धु को म्बि क ल म न ४) ॥ ग मि नि ॥ ज न् न् ध नी व नि क्स् य ली नां (ने नी ल
 डाय का र्त्त ड मा या य या मा सू को ३ क न व नी की द नी व म मा द य न न म स्का न र्त्त ज म र्त्त सु ४ नि धि ला डा म्बु न
 द स्य सू व ल्हा व र्त्त स ४ क क्स् लि क्स् ना य स्या स्का र्त्त सि क मि व रि ता गु नी ल लो य ४ ग म म ल्ख न द्वि क म्बि क के ॥
 ॥ ग म्बि नि ॥ न म्बि न र्त्त म नी र्त्त लु म्बि र्त्त प्रा द न म्बि ड ल य क्स् नि नां य ४ १ स र्त्त न म ल्ख न वि क र्त्त वि क ल र्त्त
 न् न्ध नी व न स्य गु (ने वि ल्भ का म य न न क क्स् म क ना ड का न ४ य व्धि य या स म्बि य की द न स्य न वि ड न य ४ य १०
 य स्य न स्य व स के र्त्त क ल्हा वि न न र्त्त व न ड व न मि र्त्त नि न वा र्त्त ड न ल्हा र्त्त नि वि क न ल्हा स्य (ने न वा धा य क ल्हा
 र्त्त न वा का य न र्त्त व न ४ स र्त्त ड न य मि न ४ य द्वा र्त्त वि ड मा ना न्ध य स्य सान न्ध ४ ज न न्ध ४ य र्त्त म न न्ध य र्त्त ४ स
 य य नि स मा सू ४ य र्त्त म न्ध य ली न य स्य ल्थ ४ य द्वा ना न्ध न्ध र्त्त र्त्त य र्त्त य र्त्त य र्त्त य र्त्त य र्त्त य र्त्त

उन्मन्ययि नस्य ज्ञोऽथ विवर्त्तनीत्यर्थः॥ ॥ वेवादि कीमिनि। हनवन्धनादि मालयनवे वादि कीं विवादादि निधि
 रादुर्द्धमथोच्चुत्थि निरुधयित्वा मित्रं कुरुते नमूनयः ॥ गुरुः ॥ कीदृशं भवति नयः सिवा ससहयनिगदय
 यानवे वादि कीमिनि हल्यर्थः ॥ ॥ निः ॥ निः ॥ नमूनयः ॥ लेनमासकुसैव द्वायूनः ॥ निर्वदृष्टावसम्यन्नैव
 याउनमि निनि वायनि वद्य कथयित्वा ननस्तलदिने नयया वेदि सहा ॥ यधिना ॥ खमाका नमूद्यय ॥ उदुना
 ॥ खमागु मंजु निलर्थः ॥ आमनु तनु ससादसी रा वाया मयी अतः ॥ निः ॥ निः ॥ खमाका नमूदाहनमिल्य
 काशन के वः ॥ समासा लक्कानः ॥ समासः ॥ साकुवेकथ ल्यावनि वन नाद्यथानद्योनरुमाह गनुयन वः
 यित्वा सनायवो। उदानसी वायकी नु ॥ यया सकल विधि नः ॥ ॥ ययुय निनि निः ॥ वन वाद वा रु वयि
 निः ॥ खमी निना यिना न्यदा निव तु ॥ थि विवादादवे कक्षन नमया मास गमयत स्म अडिसूना याः ॥ ले यः ॥ स
 मागभसु म्बन्ध उल्क उन्मना ॥ यस्मादमी हावा ॥ अरिया या विभु मेपिते निर्वस्य न निः ॥ नः ॥ क मपन

दिवनमनायकं न विवृक्युर्न विविकारं नयनिकिन्नु सर्वमवविकारं यावय गोत्य थं य शुनात्र म्भ कम ॥
 म्भानि विनियोगान्ति भिदिनीकन ४ उ ल्कड न्म नांति नि यात न सूर्व यथिका सान्कन्द ४ तल्लकृ ल्लुय
 दिन युग नरु नीय कात्रा युजियन डोड न म्भ यथि नाया ॥ य स स स्या नू यु न्द ४ न स्य व क्क ना शान शे
 स्या ना मि त्या दि ल कृ ली ॥ ॥ ॥ गि क्क मान स र व वा स्या स्र धा य वि द्द ४ स र्वा ॥ ॥ अथ नि ॥ अथ न न न
 वा हि म वा नू ना या ॥ मे य वि वा द न व दी का य रु स स्र वि ध न वि धि म न्व ति रु द क त म भ न व ४ स र्ग न मि ग
 स्र ड न व र्वा ४ स न क र डो व धी ना म वि य स्र य तु स्र व र्वा स र्वा गु क य कृ ॥ ल थ ४ त ना नि या न स्या द्या मि री १०९
 या न रु द स्र स्र ल ना वि ना या नि ॥ य स र्वा य द्वा न मि स्र व र्वा स्र ति य मि र ४ य द्वा स म स क क ल व र्वा
 य र वृ द स्र ति ४ स या मि र गु ४ य र स म द्वा वृ द स्र ति ४ य र्वा नी स र्वा य द्वा मि र ४ स र्वा क ल मि र ति मि का य
 ४ ना स र्वा क ल मि र ति य र्वा य र्वा ४ स या मि र या सा र्वा व र्वा न्नि ना या नि थ वि र्वा ॥ ॥ वि वा दि के नि मि ॥ मान

[illegible]

विष्णुदायननिसमिर्कितेत्वा संवत्सु मने यमजित्वा भयं लखायूकः विम्वः जित्वा न भनानी वम्व
 (म) ता का विन के य स द्वा दिति म्भ न ४ नी ल द्वि न रु मि नितु नि ध (ध) य म र्थ य धा स न सिद्ध म स्मिन् (म) र्
 विजु म विजु म नदि नः म धुर्ल ग नि न ४ क न स म भु स भ न द द य धि य माल नी व द न ॥ ॥ क (कु) नि ॥
 क लु पि नि धु ना य य य ना हा क न रु म्भ (म) यो ४ क लै यो थ जि वा ना न ग ति वे थ ध न वा न स्मा त्य न रा (म)
 य न ४ (म) ता न ल रा य वा क न स र न ल क था स य न रा ग ला ग ४ न द न न या ना ला का व रु व ला म य ४ क था ल की १०५
 द (म) ला धु म क बा य व रु क सा य ॥ नि र्वा न न न न रु (म) ना च ना ना य न ॥ नि य सि द्वा न स्या रं दा र द न कि
 या यू का ता न रु द नि ना रु म र्थ (म) न (म) न व (कु) ॥ रं दा र द न क्रिया स नि दि ना रा ग ड य न द द रि दि ना
 ला वा ड वी व लु का न ४ ॥ नि य नि ला वा स न सा य थ क नि द न ४ द (म) न ४ क था ल ॥ नि य न रा (म) न ४ (म)

लल्लु रा ग म रु ल्लु थ नि वि न्ध ॥ ॥ स र्वे नि ॥ वि रु क म ल द्वा ना र्थ य थ क नै य द्वा व य सा ना नू (म) न म वि
 नी मा र्ग य स्या ज स्या रु ध ना रु ४ रु ध ना रु नू र्द डा रु ॥ य ध न न र्व ड य न रु न न व रु ध न रु धू मा ना रु ही
 न नू र्द रु वा य व दि नि म दि नी क न ४ द नै य (म) रु ला द क व द्वा व की व लै स्या न डा रु ध ना रु न द न रु द वि ल
 म न ४ रु नि नै थ ल नै ४ क न (म) ४ का म य ति र्वा (म) रु नि य थ न रु न ल मि रु रा व ला व न की यो द (म)
 ध ना रु ४ ल र व या म ध व रि न र व या वि रु का रि न ४ कि श्चि म ना क म धु वि क्ष न मि क थ क न वि म क्षा द ला
 य नी ना वा ना (म) य सि न्ध ४ सि क थ के न रु ल क ना (म) य नी य न स्या स नै नि क ठी रु न ला व थ रु ली ना
 म नी य क यि था ड नै य म ना दि यो न स ४ स म्भ र्थ रु वि न न मी वि रु के रु द ल य नि ध न वि ४ रु रा यि य
 वी थ रु थै व स म्भ र्थ य का न ४ म धु वि रु रु सि क थ क मि ल म न ॥ ॥ य लु नि नि ॥ नि न (म) न ४

यि त्वा अजाल ककना नयलवमर्थे नाल ककना नन लथः सीखायनि हासः युथ भायथ र वमिन थः
 निरु नो गीः सा नो नीम स्ये न मालया पृथ्वी वा ना सर्वा निर्वचन वचन न नीय थः सा धर्व ह कि स्मः नि किं य
 लुः निन थनु कल म नन स्ये न अजान नन सर्वना साय मुन स्यवन नना गस्ये वा क र्वः न व गु नीरु न स्यना ग
 स्य क थः सर्वना मय लव म र्वः नि वा र्वः य न क न गु नीरु न क थो विद ह उ व य थ र्व नि वा स र्व क था मि नि कि म
 न व न गु नीरु न न व स्या क र्व नी य द्वा ही न ही न य लो य थ म भ क व र्व न नु व य म म ह न ना र य हा नो य व क १३
 या र्व न न द य य म म र्वः ल रिया यः य द्वा अ न न मि जा ल रि य थ लो वे क र्व न र्वः द य म य का य वि य नि क व य
 म म र्व लु क ली स्ये न नि वे क र्व स म थ यि व र्व न स मा न ति हा व ल कियानू हानै वि क र्वे ना म हा वः
 न थ याल कानः क क थ स म थ य कि म न र्हा य लु मि र्वे व ते वि क र्वे म ना हा वा ना ना न स स मा नि
 न र्वः नि य र्व सु डा मा ल र्वः नि का षः ॥ न स्या र्वः नि ॥ न र्व नो ल्य न नी सा ल्य ल य र्व म ना ह न न स्या र्वः
 पृथ्वी

श्री द द्वा य क र्वः कानि वि न व व द्वा न र्वः क र्व म ल्या स र्वी रिः का ला अ न नी या र्व न न र्व ही नै अ यि म क ल
 मि नि क ला न र्व ही नै क ड ल स्य मा क लिक ला न र्व अ नै क ड ल र्वः क मि नि भ दि नी क न र्व अ काल न व ना मि न्ध म
 ल्य म र्वः ॥ म नि ॥ सा नो नी लु लु र्व की द नी अ ना य मार्वे य नि ध य मार्वे अ र्व न न म ल काना य स्याः सा क र्व
 व ड ल्य द्वा मार्वे न र्वि ह र्वि ह र्वः क र्व वा का दि रि नै दी व अ न न सि डि न ना र्व नि ना ॥ अ र्व नि ॥ सा नो नी र
 प्रा य य न नि व स मी य न म न ल्य नि ना ल ना य का व र्व व कि क ला अ र्व द र्व वि र्वि द य र्व म गु ल र्व दी य मार्वे मा मा
 नी मि मि र्वे नि थ ल मा य न म र्वि य स्या सा द नी स द नी द द्वा दि य न र्व मी न र्व न र्व ली कानः यि य स्या ला क न न
 द र्व न न र्व ली य य र्व नै य स्या ना द र्व न र्व नि ली म म ल काना यि य द र्वि वि य य न र्व व र्व ल मि र्व थ र्व कानः स
 स म र्व थ द र्व र्व म र्व क ना द र्व वि र्व म न र्व ॥ अ न न र्वे मा ना म नी न दी र्व नो नी स र्व नि म र्व र्व उ न ना म ड र्व
 ल य मा स कि क ला अ र्व र्वि र्वि र्व नि ना र्व ड य वि न र्व म न र्व नि ला र्व अ र्व ली ला ना मि का र्व न र्व ही ला र्व र्व
 अ य नि ॥

हनुमाह किं हनुं हनिता लं मनः ॥ लि लक्ष्मि किं हनुं मङ्गल्य मङ्गलायदि नं हि ताश्च मङ्गल्य मङ्गल्य मङ्गल्य निन
 यूसक मनयूसक लवणक वक्रावस्थ कीदृशं मूर्खक भुजायित ममलं निर्मलं दक वरुं ता लक निर्या तं यगुन
 दक यरुं तुता नङ्ग ॥ निन लव कावड न नासा विद्य न का विन व्यथः ॥ ॥ उभनि ॥ उ मासु ना दूदं लो नीवका
 मन्त्रयश्चामना न च्छा तिला वः ॥ यथ मय दूद य विना वरु यदी य म नू नू या य व ना यदी य न न दा रुदं रव
 निमना न च्छा रुदि ल्यथः ॥ न भव मना न र्थ ना कथश्चि कसु सु द्वा सु ना याः ॥ य नि ल य य रू गिल कं क न व नी ड
 मासु नं म लु ला का नं द द्वा विवाह का ल न ना द न म लु ला का ल न व निल का स्या म या क रू य ॥ नि यारि १००
 ला यः ॥ क न ॥ दानां तु दा रु नि किल के न व क न ॥ लो न यः ॥ य द्वा उ मासु ना दूदं ल क क ला म लू ना
 या विवाह या न्था याः ॥ विवाह विधे य गिल कं क ना मी नि यः ॥ यथ म म रिला धा र व न विवाह न य म

न्यग मिश्र नि ॥ नि विवाह ला व न या न भव म ना न र्थ क थ चि किल के न का न नि ता वः ॥ रु गिल क विष
 यिला च्छा र व गिल क मि ल यू क मि व यु नि ता स न जू मू रू मू रू थो कू दा ता वा मू रू व वि नि धू ॥ कू या यो वि ल
 व ती रु न गिल क र्थ व क नि विष य ला न ॥ ॥ व र्ध धि नि ॥ जू स्या लो थो ॥ को तु क द रु रु र्थ सा भ ना व र्ध
 नं व का न र्थः ॥ की दृ ला वा धा नां न ना द र्थि स्या ॥ सा जू न न व की दृ ल को तु द रु रु र्थ सा नां न न जू स्या
 सा न क ल्ये न र्थ नि व र्ण नि वि ना ना य ली जू न न व धा जी उ य मा ना न द रु ली ति ॥ य नि सा र्थ मा नै थ र्थ मा ल
 रू रू न सा य ना र्थ नी य मा न मि ति या व न उ कू मि र्थ म व ला म ख रू र्थ धा जी नि धि ट या न क म मि ति कू न
 ० दी य धा जी उ न न्या म ल की वा स रू य मा वि धि नि भ दि नी क न ॥ ॥ की ना द नि ॥ सा लो नी न व न
 व द र्थ त मा द धा ना य द्वा न व न र्थ य स्या क थ य द व र्थ य नि द धा ना रू थ र्थ लु लु रु गिल क द र्थ ना र्थ

या नूनैयथ दयाय नय विरु खं भवदुः ४ न न क या लादि क भव न व ना दि क म रु दि ल थ ४ ॥ वरु
 व नि ॥ रा भव सि ना द न ग ४ व न न स म नि री व रु व क या ल भ व नि र्म ल मू क न ल भ ता व रु व वा द य म न
 व य द व रु ल व रु व की द ल भ द कू ल ता व ४ ड या न ता व म ना व ना वि द ४ ना व ना द ल व नू धि न स मा स मा
 न न रा य ना र्थ डी ने डि न स र यि या ० ४ ॥ ॥ गी र व नि ॥ य दि ला व न री र वा क न ल ला ड म धी शो नि वृ गी
 ल य स ना द न म श्र य वि स व दि ना क वि ल ना न क न द व न री ह नि ना ल नू या या सिल क क्रि या या ४ सानि
 श्र य रू सा मी श क्रि या यी जा न स त न री ल ला ४ वि द ल न उ ले व रु नि ना ल निल क म रु दि ल थ ४ गी र ४ क शी
 ल ला टा मु गि वि ग्व ४ क नी नि क ल म न ४ सानि श्र सा नू कू ल यि ने क श्र यि नि ग य न ४ नि धि न मि ॥ ॥
 य थ नि ॥ वा स कि य रु नी ना न नी न मा र्ग न नी न भ व वि कू नि स न्य थ ता व य थ द सा य थ य थ द न य
 थ स न म र्क न ल न ल क नि य मा ना ना रू न न ल ल भ ता ४ रु न म लि का न य ४ न ल व न रू ४ नि य

१०९

१ ना न का रु ३

नि स ज री का ना नू कू ल य न या न ल म व रु नि न नी न य म न्य थ ल व रु मि नि रा व म नि का ॥ दि व नि ॥ नि स भ व
 ल म रु न मी ल ४ नि व स रू ज म ल ४ गु द न कू लि न मि नि क न का र्थ ला न य द्वा कि म र्थ म ल थ ४ व रु न र्क
 रु न न दि वा वि दि व स वि नि सि न ड डी ॥ कु री ना य म नी वि ४ कि न न रु न ता स न कि य दी क न ल थ ४ य द्वा ता ४ य
 ता य स न न ता ४ व ता व म य रू मी नि भ दि नी क न ४ वा ल्या द क क ला ल व न य का नि न क ल रु न व न न द र य वि
 ल व री व रु स म ति रु ल्या थ ४ रु नि कू न मा न या द हि रु ना न न ना ल कू न दा य ४ न थ व द ली नि रु ना डी रु वा
 का दि वि रु य ना डा ग मि का दि न का वि ले ग लि खि न भ व कि नि य धि व कू ल्या र्थ कि स्या ल य धि व कू थो नि नि वि
 वि ग्व ४ गु द न य मि रु नि व न्दी स्या का न मा द न ४ ॥ गी र ४ ॥ ॥ नी नि ॥ स रु न ४ स मी य व रु नि न द्वा दि नो य
 ठो कि न र व रु स म रु य नि वि स मा ल्मा न रू द द र की द ग ४ ॥ कू य का न ल य स ला ना य हि स न रू व ता वा
 र्था ना ल कू न वि धि न स वि धि ना री पा द क श्र य सि द्धा रु वि न ४ नि धि न ति ४ न न ज न रा व रु वि ना री का न

नूनसिदक्षिणामावरुः ॥ १ ॥ शीवसुः ॥ सलका विद्वयस्यसुः ॥ कीदने गडयगिरि या न्या गस्य हवस्य मदिमाने महर्त्त
 सेवद्वय कोयथायड मानाह विवा घनादिनाह विद्वको नाभि वद्वयनि अयमड मान ॥ २ ॥ यस्मा देवलखन सेवद्व
 यना विवय विवयतदा ववता विनिविणया लारु ॥ ॥ ३ ॥ केवनि ॥ असावके वमर्हि नक एव कायः ॥ विधावक
 विवृणिवलनयका न विरिद विरिना यदा एक मर्हि सुया वदा वक विवृमह ॥ ४ ॥ नि ॥ वी न्या मयिथमा
 वनर्त्त ॥ ५ ॥ कनि वृत्त सा मान्य सा धान ली ॥ ६ ॥ वद न्ये नि विवृ ना श्रयुथमः ॥ कदा विद्वनः ॥ कदा विरुस्यहन ॥ ७ ॥
 स्याधा विवृ निरुनयानाधा वधा वक्रा कदा विहा वयिह निरुनावयि धावृवृ ॥ ८ ॥ धो ॥ ९ ॥ विवृ ॥ १० ॥ वनर्त्त
 उनवि निमदिनी कनः ॥ ॥ ११ ॥ निमिनि ॥ १२ ॥ पुनरुनः ॥ १३ ॥ सुसुखाः ॥ १४ ॥ धनं ॥ १५ ॥ नला कया ला ॥ १६ ॥ दयर्त्त निर्व
 स ॥ १७ ॥ सुयतम किस्म कीद ॥ १८ ॥ लील ॥ १९ ॥ वादनादि न स्या ॥ २० ॥ नित्या न विनीतः ॥ २१ ॥ सो म्मा ववः ॥ २२ ॥ से कानं थव्यय

१११

॥ १ ॥

म्य ५

दातरु लंकु उरामजादि न शा ॥ १ ॥ न विनीतड दाना ल काना थवा नद हिय दान वला क न कान नदिना सीसा
 न ॥ २ ॥ मियसिद्धा थवा न ॥ ३ ॥ न न रुवे नेगा पियु कु मर्क ॥ ४ ॥ न एवा धीन म न नि न लुनिताः ॥ ५ ॥ सन ॥ ६ ॥ सु ॥ ७ ॥ नदि निताः ॥
 निया ॥ ८ ॥ नदिनाद निताः ॥ ९ ॥ रुनाय क थिना ॥ १० ॥ ल थः ॥ ११ ॥ यवद्व ॥ १२ ॥ लयः ॥ १३ ॥ लरु ॥ १४ ॥ ना नि विद्व वसान स्या लरु ॥ १५ ॥ म न मदि
 नी कनः ॥ ॥ १६ ॥ नि ॥ १७ ॥ निवाय थय धनं ॥ १८ ॥ यायः ॥ १९ ॥ धनं ॥ २० ॥ मुख सुदन ति कु म न स मा वया मा स आ दिय न न भवक
 म माह न न य न या नि वक्रा नै सुद्व ॥ २१ ॥ क धन नि न धन न न ह वि विवृ वा वा व व ह न मि लु सि न न व द्वा धन न
 यना सुवा न्द वा ना ला कन मा व ल द न न न व स व र्त्त सी रा व या मा स ल न्ययः ॥ २२ ॥ थय धन मि नि य था सा द ॥ २३ ॥
 ल व यी रा व ॥ ॥ २४ ॥ नि ॥ २५ ॥ सु क विरिः ॥ २६ ॥ पुन रुद ॥ २७ ॥ न स्रे नि वा य ड य ला नी ना सी स नी स सु ड सु सा सु न क नै
 स नि व ला न्द वी नि म न्द व य थ स्या ड व मा हा वि न न्द ल व य नि न या ध न य य म ध र्त्त वा म लि डा म या य थ म
 न ए व व ला न्द म नि नाः ॥ २८ ॥ वृ वृ वृ ॥ २९ ॥ नि द्वि ती या था न वि रा म ल मा स ॥ ३० ॥ ध र्त्त र्त्त र्त्त र्त्त दी न था वा म न ॥ ३१ ॥ ध र्त्त

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

नामिहविद्या ०४॥ ॥ नावदिनि ॥ नवैया सवेमयः नावदवन्दु मोलिहना नाडवथ नाडव नमयथ दसायकी दणय
नाकारिनि नाकुन उद्वगलन ॥ नमस्तीवदिद्वानमिलमनः किंकुर्वदिन विधवलरुहाभमिआत्मीनादिगुभाजधिक
कविश्रुतिश्रुतीनादभानिकुर्वनसूधधवलान्धवचरुकिन ॥ नाधिकदीकीनिकुर्वन्निबधः ॥ ॥ नमकमिनि ॥ ना
श्रुतीयाविषाकनातिश्रुत्याविषया निनडभूः नगनवलः निवागिनिकुशभयानुद्गनवलः ॥ निवानार्थः कीद
धः ॥ नलिर्वचकथ्य सोदध्यादमनीयश्चिर्नयकाचकदधमदिनीयनम्यवानुः सादनमासाकयन्तः ॥ नथही ॥ १५
गिनिर्दलने ॥ तिरुनगः युवायकाकस्थायदमनिनथहीति ॥ नवः ॥ क्रासांशुनी ॥ नवधिययदकिनगानिनि कन्दि
ययसाडयद्याननवातादिदाशानविर्नवरिवलीवरुवसूयायानासमर्थः ॥ क्राः सर्वात्मनाचक्रः यविधवलथः
यदातथागनयकाचनगिर्वयश्चः ॥ दिनवधन ॥ नवद्वानवल्यानैसमाधिनलकानः ॥ समाधिः ॥ साम्यधर्माभयद
याधिनाहर्नयथाकूमूदानिनिमीलनियद्रान्यश्रुमिषनियः ॥ निनउकियाश्चसालध्वीनद्वारिकीधूमिनि

॥ ५ ॥

ज्ञान-मि॥१

मिदं तु चक मखा न्य क वलं ल मने ४ खिल मय ह न रु व दि नि भ दि नी क न ॥ ॥ थ ल व ण का म ल ग या य व रु याः
 ज्ञे यो नु क द र्थ पु थो र्ने य स ग ल या द श्व नै र्द ४ र्वे न व न नी र्थ न क मा च नि रं ल्हा न य क भ व द व द न्ये ति या मु ज्ञे य नि
 व स्य दा सी ता व म र्थे ल र न या पु या न र्थे व क न क ल्हा र व न कि मू य क्ता न न या र्थे क्ता यी या द्वा नि सा क्ता थ न
 गिका वि ल्ही या ह स्ता न न द्वा वि र कि य नि नू य का यू का र्थे ४ य लु य नि ना स्ता न य ४ स रू य व क ट न् आ हा उ ग
 हा कि मू दि नि वि क ल्य ॥ नि ॥ क य ४ क न न् य क्ता र्थे ॥ ॥ य न नि ॥ य द्वा दी द द र्थे मु र्थ स रू य व क ट न् वि व द्वा
 ना मा उ मि य न न य नि ग ता न स्ता न द्वा सि न द्वा य य द्वा य न ४ नू य व क ट न् य य द्वा नि ४ रू ला नि ४ रू ल य थो ड ना ना
 ता वि य न स्ता न ॥ य ना व न को र्थे द र्थे य न स्ता न ना यो न्ना का क्ता सी या ॥ ना रा य स्ये न द र्थे य न्ना म नू य न र्थे य
 न मि ल म न ४ य थो यि य दि नि कि या ति य लो र वि य नि रू ॥ ॥ नू मि मि ॥ नू न नि यि र्थे ना व द न्ना क्ता
 का र्थे न नि व न स्ता न य न ना र्थे न द र्थे न र स्ता क न कि नु स्ये य भ व का मा न्य स द र्थ य नि ल क न नी न ॥ नि

न२

मथे जानकी दण्ड मूत्र दण्ड वनिवसवला कननाना मारुन ॥ १ ॥ लयना वन ॥ ॥ अन्नननि ॥ अन्नननि वन समर्थ
लवला मनिनिनाडी दिष्टा राखन मूर्द्धनै निपावक मि धन निधि नि ॥ की नना वन की दण्ड मूर्द्धनै उद्ये सनाम लु
वनना गनिना विवन लवन दयक वदिद वीस कर्ष विदि नान्ना राव ॥ वा र्ज अरु यक व ॥ लवन दवा क न्य निवद
ल्यार्थ नि ॥ नन क विदु वेष यथा मय दवा वद नि कि या वि ॥ लवन लु थार्थ की दण्ड निन ॥ कि निवा से ना र्ज रु धन ल
ना धिक निन समर्थ ना लु य मरु यदि नि राव ॥ समर्थ की दण्ड मना न ॥ थ न नु या या धि न या वि नै दि द्वा ह व र
॥ यथ नि मदि नी कन ॥ ॥ ॥ नी नि ॥ ॥ लवन नय का ॥ ॥ य धि य लु का मि नी ना क थ ॥ वय ना ला यान ॥ ॥ लवन ॥ १३
वल विषयान् कर्षन विन ॥ १ ॥ निवा निन ॥ १ ॥ ह मा स सा दया यक थ ॥ की दण्ड ॥ १ ॥ अ र मूखा ॥ क लु मूखा दा ॥ १ ॥
॥ मूर्द्धनै य नि वे रा द व नि ला य सा य की दण्ड माल र्ज क र्पू न ॥ की क ना धू ली क ना ला ड मूर्द्धनै य उ दान र्ज य
द व न न य द क र्पू न धू ल्या क ना ला मूर्द्धनै य र्ज नि का र्थ नि लया ल य ॥ लवन ॥ ॥ ॥ न नान नि ॥ अन्न

कन मूर्द्धनै य द व रा द व नी र्ज ल म यि ला चू न न वि व ना द लु रु ला वल म्भारुन ॥ १ ॥ हि माल य स्य क कान ना लिका
समर्थ न ॥ १ ॥ नी नि या व दि व न न स मा की द म नि क कान ना नि व ॥ १ ॥ लवन दवा दौ ग म न मि नि नी नि ॥ १ ॥ य थ न
न द्वा ना का द न चा दा दि ला वल म्भारुन ॥ १ ॥ य थ ॥ १ ॥ निन द्य न मा स्या व य र स्य ॥ १ ॥ ग ना का ना डा दि ना नि क ठ म हा ड न
ह ला दी य न ॥ १ ॥ नि सै य दा य ॥ १ ॥ उ का रु डा व ली व द ॥ १ ॥ लवन ॥ १ ॥ ह यून ॥ १ ॥ मूर्द्धनै य न न क थ हि माल य मा म न्नी यून व
व र माल म्भारुन ॥ १ ॥ ॥ न म न्नि ॥ १ ॥ नि व स नू य ॥ १ ॥ दि लु ॥ १ ॥ य धा ना द वा ॥ १ ॥ स क र्ष य ॥ १ ॥ य र्ज य थ म य र्ज
य न म र्ष य ॥ १ ॥ नि य र ॥ १ ॥ य धा ना द वा ॥ १ ॥ हि माल य स्य ॥ १ ॥ ह स नू ग क न नू ग न व न ॥ १ ॥ य थ उ रु मा थ ड रु म य थ
ऊ ना य न ॥ १ ॥ स माल र्ज की र्ज य क म म नू ल की र्ज ल ग क नि न ॥ १ ॥ य थ ॥ १ ॥ य कान ॥ १ ॥ य न स नू स म र्ज य ॥ १ ॥ ॥ न र्ज नि
॥ १ ॥ नि लान ॥ १ ॥ य ना रु न ॥ १ ॥ वि लु र्ज क ॥ १ ॥ स नै रु न वि लु र्ज क ॥ १ ॥ स न स न स व ल स हि न म र्ज य क वि ध म र्ज य क
ह र्ज म र्ज य क स हि न रु न रु व ना य ड र्ज न ॥ १ ॥ य नी न द रु न व य द व रु व स र्ज स म रु व ड स म रु क य ल ग ही न य नि

सन कादयः

श्या१

१। गेनी कनस्यर्णन साखिक हा वा द व न था धोति स क्तु भन क हा कामस्य व र्णिष्य हा सम मर्द्ध वि र क्त
वय थ क्तु न व न चि न व वा द था सु र्यः का भा व रु ण्य थ ष्य हा गे नी ना मा ऋ ष्य ग र दि उः न डू क्तु त न न न
यिय स्य न र्य का ध ल ज्ञा ना ना दि रि रु व डूः ॥ मा ष्य ज्ञाय न का र्क का ना या म पि सा खिक णि हा व च ल
कु थ नि य न था र्थ म या पु ना म द ना द ण्य धू ना तु वि वा हः किय न णि रु व न मिल ज्ञा व का णि रु व द व या
इ क्तु वा रु व क्तु न णि न ल का वः र्ग वः सा द ली व द ण्य क्तु सा द ल न णि न णि म दि नी क न ॥ ॥ यय
क न्ति य सा द न्य द पि व धू व न क न था नि ग ह णि स द न था गे नी ह न थाः सा नि ष्य या ग स नि ष्य ना द य अ ण
हा का नि णि हा य क्तु नि ष्य य नि न ल ल न था हा य स्य रीः ॥ ग हा किं क थ न क थ यि तु भ व न न क्तु न णि हा व
॥ अ य मि नि ग णि हा दि हा यः ॥ अ य मू र्य ग र्ग र व णि धि न निः व धू व न मि नि ग वा थ य द नी नि य थ क व द्वा

[illegible]

लसं सानिनी निरा पुयस्य नाद नः सन स्याद लु कालयाः निरव निविश्वः॥ ॥ नदी यनि ॥ गोत्री वदन मावानः
संयदायः विवाहा वा न नयदु म गहने न स्यात् कृत्य वाव न सैमानय वा दुन क लु लिकानं सु रुद्र रुद्र दीया धूमस
मन्धिनी मा मा गान वक्तु या न ल साहि ना न तु संखा क यो ल हि लि यो नाद नं य ऊ क नं उ था सदा दू कु सि न डे लि
नः का लु डि न स्य क ड ल स्या ना ल य न नाद नं म वि न य ना पु क मा द वे व ल नि हा वः आ वा न सु स मा वा न वि वा ह
धर्म क र्म ना नि वि श्वः॥ ॥ व धू मि नि ॥ वा क लो गो त्री व हा ध रु व ल स य वि न व य नि न यं य लो वा नि क र्म सा क्री या
या न सा क्रा द सा ऊ न स्या या ल क वि वा न या स ल्या नि व न स्या मि ना स द ध म वि र्था ध र्म क्रि या का र्था क न ना या नि व
न स द ध मी र न ल मिः सा क्री न न स्या वि वा न ध र्म वि न ना य ल य द्वा यी ला ल यान मि ला ध र्म क्रि या क न ना
य नि र्था क्रि या क न ना या नि नि वि श्वः॥ ॥ आ ल वि नि ॥ रा वा न्या गु ना य ना ध र्म स रु द र्म न वा र्क सा द नं पु न
किं क ला आ ला न ना र्क ला न न व र्थ नं य था स्या द वे गु व ल क लु वि न ल वि ला यि र्वा ध र्म न व ना द व य था र्थ

११९

क स म थ ड ल ल ह द य लु ट वि दान न या लु वा य ध म मा र्थ मा ह नु म ह नु स म र्थि अ र्थ दू कि र्वा र्ज सा ड ले वी य न
न थ र्थ ड ल ल वि ग द स क नि का वः मा रु नु मि नि न स्या द मि ल ना ॥ ॥ धू व ल नि ॥ सा ध व न नि व न स्या मि
ना धू व ल ना ना वि ल व स्या व ला क ना य द न ना य य य ऊ मा ना ल्य र्थ मा ल स नी सा गो त्री मू र स न नी क ल ल
क्री व स न स्या ना क स रु क्रा द रु ल वा र्क व नी रु क्री क्रा द न न वि र्थ यी नि क र्द नं य स्य न न धू वा र ड रु न वि
क्री ग का वू रान ना द नि म दि नी क न य द्वा द रु नि सा मा न्य न व नि र्द न ड न म र्थ नि स्य वि ल य प्र वी दि ल
या द नः स न क ली रु क न य क ल ल य मि दी य ॥ ॥ क मि नि ॥ गो ला का ना यि न नो य द्वा य वि सा य वि ना म
हा य य लो म गु ड य ना र्क न व नी ना द लो क म न न य का न न वि वि कू ल न य ना ध सा क न वि वा हा य ना
वि ना मा ड ल क ल व न यि न नो य न म र्थि वि ना म ह ल म न ॥ ॥ व धू मि नि ॥ वि ध ज व क म व धू गो त्री ह
क ला मि ल वी न य स वा र व नि य नि न न स्या नि न य न स वी नः स र ट ४ वि ना य कि ल म य न ल ज क न

वृत्तिवीनः कार्त्तिकेयश्च नन कू मान उ मान स्यात्ता न कच धी श्या स गितः ४ सवध वाच स्यति वीना लभ वि सन जस
 मूली निव जग मस्य स्या गी विषय स्यति कया यना म व न सि मि कानि श्व सा त व न न किं चि द य क वा निव र्थ वि श्व
 मय त्वा रु स्य न कि मया न सु नी य मि नि ता वः ४ अ वि द्य मान स्या थ स्या स स न मि त्या गी श्य नः ४ अ उ नु नान न त
 न सर्व रु तया च वाच स्य ति र्त्वी ॥ ॥ क क नि ॥ नो जा या य नी क को य वा ना सी या दि त व मु स म् स हा व रु ४ का ली व दी न
 ला य श्च द न न न सु व नु स न स्त्री म को आ कु क ता ना य न य वी म रु कु ला ना य न स ड ल मे रु कु ला ना य न वा अ न
 रु ना म नू रु त व को की द न मा ना य न सो कि क सा क वि दि त सा को रा न य नि या क मि ति या व न नु वि न य मा १२०
 का क्री नी र्थ ड य वा ना व मु य को सी स्ता न वि नि ग द न नि वि श्वः ४ अ र्थ का ल वि सा हि त नि र्थ के ने उ र द
 इ वी यी त्री व वा रु य की लि न नि र अ रु न न नु र्ने सी य व स्म न रु न य मा नि वि भ दि नी क न ॥ ॥ य उ ति
 ॥ ल क्री ४ श्री ४ न था न व नि क म ला न य न मा ध रु ४ न व नी की द न मा य न दी र्घ ना ल भ व द (५) य स्य न रु

थ क उ मि ने ऊ ल वि नु स म् रु त्रा क सा स द ना क ना मू क्ता रु ल स म् रु द स्य (५) ता थ न न न न ड ल वि नु व न व मो कि का
 नी नि ता वः ४ रु न्द नि कू न म् क द म् व क मि त्य म न ॥ ॥ दि (५) वि ॥ स न स नी वा द वी द्वि धा दि य का न न सी स्त न न या क
 न न वा य थ न (५) क न न थ न न ना व स्त्री मि स व न (५) वृ क्ता मा न न सी स्ता न पू न न सी स्त न न (५) नी मू र्ध न न ४ अ न
 य नि व र्ध न मू या य गी म् न न या क न न त र्थः ४ सी य ना या क न व द दि ति नि य मा र्थ स्ता न दू न र्थ सी स्त न स्य द व वा
 नी ला न नू ना व नि नू मु नी लि ट ॥ ॥ ना वि नि ॥ नो र्थ नी उ अ न सा पि र्य ना र्थ मू र्ध र्थ द न कू र्थ वा या ५ य श्च ना
 द स व को की द न ना र्थ सा र्थ य थ म न स्य व या थ म्मा लु या न न रु नि पि स्या लु य को व नि द न न नि भ दि नी क न ४
 की द न य था न स र्थ वृ न ट का डि वृ व डि न ४ य क रि ना व रि रु द ४ के नि का दि के वि (५) या य न न व लि मु व रु नि र या न कि
 नि का दि वृ व रु न नि वि श्वः ४ व रु य श्व न मु ४ न द की या व का ल ख वि र्थ य स को य वि रु न न थ य न सा व रु यि यी
 स्या त् स द लि स्या वृ वृ वि धा ॥ क नि का स रु टी र्थ व स ल नी रा न नी न था व न सा व रु या रु या ना थ म र व का नि का नि
 रु न न नु (५) जी व द की रा न नी या श्च ल्य थ न सा व रु य नि र्थ य मु मू र्ध य नि मू र्ध न क वि म ल श्व न था म न

[illegible]

मन्त्राग्निर्नगर्नसदाददकूलायमयुनकवैजसुदहामासीदधिकं वै (१) कायिक्रियमातनर्मनमनसमस्त
नववायुनतयेनदिल्लथः ४ अन्कः ४ पूर्नयेकगृहयल्लियननस्तकलविंलामवावधायनतयेल्लथः ४ कूलै (मनये
सदिव ० गितिविष्यः ४ कीदृणयूनमन्कः ४ पूर्नयेवाहिकेविवाहाययूकः ४ कोरुकस्यगुनादः ४ यनस्यनायातमकूलस्य
वासीविक्षनेविधिरिः ४ युगिगृह्याकूलस्त्रीवल्गुववाहिकेनिलोश्वाभादिल्लादकोरुकैरीक्षयदृषेनसारिल्लाय
शापिविवाहनागादोयानैयथैयिमङ्कल ० गिभदिनीकनः ॥ ॥ सकानकगि ॥ ददोशमानसूवल्गुमानन
दीक्यागन्नगनमन्महान्कीदृणकल्पवृक्षरुदयूल्मवाकनाडयथरीनीगुकेनेगवल्गुः ४ कल्पिताक
नाकुरुमालाचिद्रयनैयनायगनस्तुल्लस्मान्तरुवस्मानवि (म) धाविष्मसीकादिनल्लदिवैयदास्यस्त्रीमोनाव
स्तिनैस्मानकनैस्त्री ० वस्मानवि (म) धाविष्मस्त्री ० वल्गुथः ४ सकानकवदनागनल्लयमन्मनैयथैयिल्लय
पूर्ववल्गुयादवयश्चयिनिडायायथिवैश्वरमदानयैकन ० गिनिधैक्षमहायथैमसानरिक्षयियनि

एतन्मयि न वा ना दव नैय थं स्यादली कानि ॥ १२ ॥ नैय थु का व ना वि वि वि ॥ ॥ व हा वि मि ॥ सा ता ला ॥ मे
 नी नू न न न दी का वि वि वि वा द वि वि ॥ सो य के न वा ॥ ल न स म थं या य व हो र का न ॥ यू क्त्वा का थ कू या स म उ थ
 क व न व दू ला व सा न कू य कू स्या न न वे क्त्वा सा दा य मा ना च नु क ले व नु कू य कू न वि कि न ॥ ले थ नु ॥ यू थ न ॥
 मि आ ग म ॥ वा ला स्या ॥ ला ॥ वि क ति र न न ॥ ॥ ग मि मि ॥ ना थ ॥ मि य ॥ ना ॥ मे ना ॥ च नु क्त्वा रि मू र्वा ॥ आ ल य ने
 म धु न वि ॥ ग य म मू र्वा ॥ वा ने य न्ने य नि स का द ॥ ना ॥ सा ध क क्त्वा न वू ॥ ना य न न ॥ हा ॥ न न भा व रू ने मू क्त्वा सा
 न मी थ नू क मा स्या न मि मि या व ला ली र्वा कू य ॥ न न क नो क्त्वा ना ॥ ग य स्या ॥ सा ॥ स्या न या ॥ थं व मू य नि ॥ १५
 द धा नी ॥ थ न नु क्त्वा र व क्त्वा न ॥ मि ॥ ग य न ॥ ॥ वि न य क ॥ मि ॥ मि न व नु क्त्वा ना थ क्त्वा ॥ मि ॥ ना म
 रू थ स वा यी य थ स्या द व स्या नै का नि न व ल ॥ के ॥ सा व द्धि ना ना मि ना थ क्त्वा य दं ग ता ॥ स ॥ कू य द ग थ नै य

उ ले व्या ना ये ॥ क्त्वा मि न्क थं कू न नि व नि न ॥ स वे द थ स नू थ सा व द्धा ध न या मू का रु ली रू मि क्त्वा या वि रू कि
 वि हा ॥ ग म वा या मि मि भ दि नी के न ॥ स य या व रू व नि मि मि ना कू स ॥ मि कू स ॥ ॥ मि ॥ सा ॥ मे ना ॥ व हो की द ॥ ना
 म कू ल पूर्व सा न न वि नु र्द नि म्म ली ग नै य स्या ॥ सा य लू क म नी र्वा ॥ मे न व लू य न स्या न व मू य द न य नि धी य न न
 ला य या सा न स्या दू क म नी र्वा यं कू न या व मू थार्य ग मि ल म न ॥ के व नि व रू ॥ स मा क ॥ व कू न य स्य म य स्य ज ले
 न रि थ का य स्या ॥ सा य रू लै का ग कू स म य स्या ना द नी ये धा व ग ॥ ही न य लू क म नी र्वा ॥ स य कू य न ल न न का
 न स्य य न ल नू न रू ॥ स्या दि नि न वा र्वा थ रू कान य न वि क थ न नु रू ला नू य दा रू ॥ नु ॥ व रू व कू न सै य न
 न य न म स मि स वि हा सा मि मि कू न व स न नि ग म्म कू न ॥ मि व रू न ला क न उ दा ह न ॥ प कू न या व स्य क म य
 ध न द मू द न कू या नि मि वि न्क ॥ ॥ ग स्या दि नि ॥ न स्या ॥ स्या ना स्या धी रि रू हा ला सा ॥ मे ना ॥ को रु का न न

लेन

यविः कनरुतागमश्चनीनाकीदृगं विना नयूकं सति य धनरुं रचतु कथनरुयूकं नविनायवंगन
 यी ० यतु नञ्ज कानः पूर्वथि कूया समुच्चया थिस्सु सी विना नमूला रमित्यमन कोरु कं कुरु कागपकुरु
 क कामरु र्थयानि निमदिनी कनः ॥ गामिनि ॥ गुरुवदिम (ध यू र्वा मू र्वा) गोत्री निवध्य ल्यना ल्य यश्चा
 प्राय यूना (ग्र नि य ना उ य नि छा ना र्थः) कलमल्य कालं याय यालं व न विलसि न व न्यः विलस्येदु
 गकु वि (ल य ल मा रु किं रु ना ना र्थः) यसा य न ल कन (ल म नि धान व किं या यिरु गो ५) र्थयसा ॥ सा रु ना
 थ सा रु वि की (ल ल रु ना दि य मा न म य ग न न र्थः) या सा ना ॥ स वृ य भ वा सा ॥ य सा य न म ना ग न नि ॥ रु
 ल मि नि रु व ॥ रु ना र्थ मु स वृ या (थ रू नि वं का य ॥ ॥ धू या थ नि ॥ का वि ल रू र्वा न सा ॥ क ण नं क ण स
 रू यं इ र्वा यू क या वी न रु वि म यू क वा स य र्था द्वि य ध रि न व नी म न्न ल्य मि र्दं म न्न ल ना म्ना य मि र्दं क ण नं

११४